सुविचार

दीपक बोलता नही
उसका प्रकाश
परिचय देता है,
ठीक उसी प्रकार
आप अपने बारे में
कुछ न बोलें,
बस अच्छे कर्म
करते रहें वही
आपका परिचय
देंगे।

प्रथम न्यूज़

PRATHAM NEWS
राष्ट्रीय हिंदी दैनिक
Pratham News
@dainikprathamnews
Website: www.prathamnews.in
email:- dainikprathamnews@gmail.com

भुवनेश्वर के आगे बिखरी मुंबई इंडियंस...

» पृष्ठ 7 पर

जालंधर, वर्ष: 16 अंक : 129 | दिनांक : सोमवार, 11 मई 2026 | सम्पादक : विवेक धीर | सम्पर्कः | 97796-00900 | पन्ने- 8 | मूल्यः ₹ 2.00/- | RNI No I PUNHIN/2010/36540

वैश्विक संकट के बीच PM मोदी की देश से अपील

पेट्रोल-डीजल बचाएं, वर्क फ्रॉम होम अपनाएं, एक साल तक सोना और विदेशी टूर टालें

» प्रथम न्यूज । नई दिल्ली

10 मई (एएम नाथ)

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वैश्विक आर्थिक संकट और पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच देशवासियों से राष्ट्रहित में बड़े संकल्प लेने की अपील की है। प्रधानमंत्री ने पेट्रोल-डीजल की खपत कम करने, कोविड काल की वर्क फ्रॉम होम और ऑनलाइन मीटिंग जैसी व्यवस्थाओं को फिर से अपनाने, विदेशी यात्राएं टालने और एक साल तक सोने के आभूषण न खरीदने का आग्रह किया।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि दुनिया इस समय गंभीर चुनौतियों के दौर से गुजर रही है। कोविड महामारी के बाद शुरू हुए वैश्विक तनाव और युद्धों ने खाद्यान्न, ईंधन और उर्वरकों की कीमतों को बुरी तरह प्रभावित किया है। उन्होंने कहा कि भारत अपनी जरूरत का बड़ा हिस्सा विदेशों से आयात करता है और पेट्रोल-डीजल की बढ़ती कीमतों का सीधा असर देश की अर्थव्यवस्था और विदेशी मुद्रा भंडार पर पड़ता है।

पीएम मोदी ने कहा कि कोरोना काल में हमने वर्क फ्रॉम होम, वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग और ऑनलाइन बैठकों जैसी व्यवस्थाएं विकसित की थीं। उस समय इन उपायों ने देश को बड़ी राहत दी थी। आज फिर समय की मांग है कि हम इन व्यवस्थाओं को प्राथमिकता दें।

इससे ईंधन की खपत कम होगी और विदेशी मुद्रा की बचत भी होगी। प्रधानमंत्री ने लोगों से निजी वाहनों का कम इस्तेमाल करने और सार्वजनिक परिवहन को प्राथमिकता देने की अपील की। उन्होंने कहा कि जिन शहरों में मेट्रो सेवा उपलब्ध है, वहां नागरिकों को अधिक से अधिक मेट्रो का उपयोग करना चाहिए। यदि कार से यात्रा करना जरूरी हो तो कार-पूलिंग अपनानी चाहिए ताकि पेट्रोल और डीजल की खपत कम हो सके।

उन्होंने इलेक्ट्रिक वाहनों के उपयोग को बढ़ावा देने पर भी जोर दिया। प्रधानमंत्री ने कहा कि जिन लोगों के पास इलेक्ट्रिक वाहन हैं, वे उनका अधिक इस्तेमाल करें। माल परिवहन के लिए रेलवे फ्रेट सेवाओं का ज्यादा उपयोग करने की सलाह देते हुए उन्होंने कहा कि इलेक्ट्रिक रेलगाड़ियां पेट्रोल-डीजल पर निर्भर नहीं होतीं और इससे ऊर्जा बचत में मदद मिलती है।

पीएम मोदी ने देशवासियों से कम से कम एक वर्ष तक विदेश यात्राएं टालने का भी आग्रह किया। उन्होंने कहा कि मध्यम वर्ग में विदेश घूमने, डेस्टिनेशन वेडिंग और छुट्टियां मनाने का चलन तेजी से बढ़ा है, लेकिन वर्तमान परिस्थितियों में देशहित सर्वोपरि होना चाहिए। उन्होंने कहा कि भारत में ही अनेक सुंदर पर्यटन स्थल हैं और लोगों को घरेलू पर्यटन को बढ़ावा देना चाहिए।

प्रधानमंत्री ने सोने की खरीदारी को लेकर भी भावनात्मक अपील की। उन्होंने कहा कि पहले संकट और युद्ध के समय लोग राष्ट्रहित में सोना दान किया करते थे। आज दान की जरूरत नहीं है, लेकिन देशहित में लोग यह संकल्प लें कि अगले एक साल तक किसी भी समारोह या अवसर पर सोने के आभूषण नहीं खरीदेंगे। प्रधानमंत्री ने कहा कि वैश्विक संकट के इस दौर में हर नागरिक का छोटा योगदान भी देश को आर्थिक मजबूती देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है।

विकसित भारत के लिए समाज की भागीदारी जरूरी

'आर्ट ऑफ लिविंग' के कार्यक्रम में बोले पीएम मोदी

बेंगलुरु (ब्यूरो)- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को बेंगलुरु में 'आर्ट ऑफ लिविंग% के 45 साल पूरे होने पर आयोजित कार्यक्रम में अध्यात्म, सेवा और सामाजिक भागीदारी को विकसित भारत की मजबूत नींव बताते हुए बड़ा संदेश दिया। पीएम मोदी ने संगठन के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि देश का भविष्य ऐसे युवाओं के हाथ में है जो मानसिक रूप से संतुलित, सामाजिक रूप से जिम्मेदार और पर्यावरण के प्रति सजग हों। इस दौरान मोदी ने नए ध्यान केंद्र का उद्घाटन भी किया और जनभागीदारी, प्राकृतिक जीवनशैली और सामूहिक प्रयासों के जरिए राष्ट्र निर्माण को गति देने का आह्वान किया। 'आर्ट ऑफ लिविंग% अंतरराष्ट्रीय केंद्र में इसके संस्?थापक श्री श्री रविशंकर भी आयोजित कार्यक्रम में मौजूद रहे।

पीएम मोदी ने बेंगलुरु को ऐसा शहर बताया, जो केवल वैश्विक प्रौद्योगिकी केंद्र के रूप में ही नहीं उभरा बल्कि इसने भारत की आध्यात्मिक और सांस्कृतिक चेतना को भी ऊंचाई दी है।

संक्षिप्त न्यूज

भारतीय सेना को घेरने चला था PAK, अपनी ही जनता ने कर दी बेइज्जती

कराची (एजेंसी)- पाकिस्तान सेना के प्रवक्ता लेफ्टिनेंट जनरल अहमद शरीफ चौधरी ने भारतीय सेना के अधिकारियों के अंग्रेजी में ब्रीफिंग देने पर सवाल क्या उठाया, वह खुद ही अपने देश के लोगों के निशाने पर आ गए। ऑपरेशन सिंदूर की पहली बरसी पर प्रेस कॉन्फ्रेंस कर रहे डीजी आईएसपीआर (ISPR) को उम्मीद नहीं थी कि उनका यह दांव उल्टा पड़ जाएगा और सोशल मीडिया पर उनकी जमकर फजीहत होगी।

दरअसल, 7 मई को ऑपरेशन सिंदूर की पहली बरसी के मौके पर भारतीय सेना, नौसेना और वायुसेना के वरिष्ठ अधिकारियों ने एक साझा प्रेस कॉन्फ्रेंस की थी। इसमें उन्होंने पहलगाम आतंकी हमले के एक साल बाद के रणनीतिक प्रभाव और सीखों पर चर्चा की। इसी ब्रीफिंग को लेकर अहमद शरीफ चौधरी ने तंज कसते हुए पूछा, आपको अंग्रेजी में बोलने के लिए किसने कहा? क्या ऐसा इसलिए है क्योंकि आप दुनिया को अपनी कहानी सुनाना चाहते हैं?

अमेरिका-ईरान जंग का असर

कच्चा तेल 100 डॉल बैरल पार, स्ट्रेट ऑफ होर्मुज पर फंसे हैं 20,000 से ज्यादा नाविक

नई दिल्ली (एएम नाथ)- अमेरिकी और ईरानी सैनिकों ने स्ट्रेट ऑफ होर्मुज पर 7 और 8 मई की मध्यरात्रि को एक दूसरे पर ड्रोन और मिसाइलों के जरिये कई बार हमला किया। इस हमले के दौरान दुबई से यमन की ओर जा रहा एक भारतीय ध्वज वाला जहाज अल फैज़ नूर सुलेमानीथाइस इसकी चपेट में आ गया और स्ट्रेट ऑफ़ होर्मुज़ में डूब गया। उपलब्ध जानकारी के अनुसार, 8 मई को मध्यरात्रि में भारतीय समयानुसार लगभग 2.30 बजे एक ड्रोन ने जहाज पर हमला किया। उस समय 3 अमेरिकी युद्धपोत जलडमरूमध्य को पार कर रहे थे।

ग्लोबल शिपिंग नेटवर्क्स के मुताबिक, स्ट्रेट ऑफ़ होर्मुज़ में अब भी करीब 1600 कार्गो जहाज़ फंसे हुए हैं, जिन पर करीब 22,000 नाविक सवार हैं।

150 लोगों को लेकर क्रूज शिप एमवी होंडियस स्पेन पहुंचा

दोनों भारतीय सुरक्षित, नीदरलैंड भेजे गए

नई दिल्ली (एजेंसी)- क्रूज शिप एमवी होंडियस रविवार को स्पेन पहुंच गया, जहां यात्रियों को विश्व स्वास्थ्य संगठन और स्पेन सरकार के दिशा-निर्देशों के तहत सुरक्षित रूप से जहाज से उतारा गया। इससे पहले हंता वायरस संक्रमण की आशंका के चलते इस जहाज को स्पेन के कैनरी द्वीप के तट के पास रोक दिया गया था, जिसके बाद स्वास्थ्य एजेंसियों ने स्थिति का आकलन किया। जहाज पर सवार दोनों भारतीय क्रू सदस्य पूरी तरह स्वस्थ हैं और उन्हें आगे की स्वास्थ्य निगरानी के लिए नीदरलैंड भेजा गया है।

स?पेन में भारतीय दूतावास की ओर दी गई जानकारी के अनुसार, हंता वायरस से प्रभावित डच झंडे वाला जहाज एमवी होंडियस में दो भारतीय नागरिकों सहित लगभग 150 लोग सवार थे। वायरस के फैलने की आशंका के चलते जहाज को स्पेन के कैनरी द्वीप के तट से कुछ दूरी पर लंगर डालकर रोक दिया गया था।

पंजाब न दबा है, न झुकेगा : मान

ईडी छापों पर भड़के सीएम भगवंत मान, कहा, भाजपा-ईडी गठजोड़ का अंत पंजाब से होगा

» प्रथम न्यूज । चंडीगढ़

10 मई (एएम नाथ)

पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने आम आदमी पार्टी नेताओं पर लगातार हो रही ईडी छापेमारी को लेकर केंद्र सरकार और भाजपा पर तीखा हमला बोला है। मुख्यमंत्री ने कहा कि केंद्रीय एजेंसियों के जरिए विपक्षी नेताओं को डराने और दबाव बनाने की राजनीति की जा रही है, लेकिन पंजाब कभी झुकेगा नहीं।

मुख्यमंत्री ने कैबिनेट मंत्री संजीव अरोड़ा के आवास पर एक साल में तीसरी और एक महीने में दूसरी बार हुई ईडी रेड का जिक्र करते हुए कहा कि जांच एजेंसियों को अब तक कुछ भी नहीं मिला। उन्होंने सवाल उठाया कि ऐसी कार्रवाई केवल गैर-भाजपा शासित राज्यों में ही क्यों हो रही है।

प्रेस कॉन्फ्रेंस में मुख्यमंत्री ने कहा कि ईडी, सीबीआई, इनकम टैक्स विभाग और चुनाव आयोग जैसी संस्थाएं अब निष्पक्ष तरीके से काम नहीं कर रहीं, बल्कि राजनीतिक हथियार के रूप में इस्तेमाल की जा रही हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा विपक्षी नेताओं पर दबाव बनाकर उन्हें अपने दल में शामिल करवाना चाहती है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि भाजपा का संदेश साफ है कि या तो भाजपा में शामिल हो जाओ या फिर जांच एजेंसियों की कार्रवाई झेलो। उन्होंने दावा किया कि कई नेता जांच के बाद भाजपा में शामिल हुए और उन्हें राजनीतिक संरक्षण मिल गया।

राज्यसभा सदस्य अशोक मित्तल का हवाला देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि उनके घर और संस्थानों पर लगातार छापेमारी हुई, लेकिन भाजपा में शामिल होने के बाद कार्रवाई बंद हो गई और उन्हें केंद्र की सुरक्षा तक मिल गई।

मुख्यमंत्री भगवंत मान ने कहा कि पंजाब गुरुओं, संतों और शहीदों की धरती है, जिसने कभी जुल्म के आगे सिर नहीं झुकाया। उन्होंने कहा कि पंजाब ने पहले भी तीन कृषि कानूनों के खिलाफ संघर्ष कर केंद्र सरकार को झुकने पर मजबूर किया था और अब भी राज्य दबाव की राजनीति के आगे नहीं झुकेगा।

उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार पंजाब के साथ लगातार भेदभाव कर रही है। चंडीगढ़, भाखड़ा, नदी जल विवाद, पंजाब यूनिवर्सिटी और आरडीएफ फंड जैसे मुद्दों पर राज्य के साथ अन्याय किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि देश की खाद्य सुरक्षा और सीमाओं की रक्षा में सबसे बड़ा योगदान देने वाले पंजाब को राजनीतिक रूप से निशाना बनाया जा रहा है।

तमिलनाडु का अब विजय पथ

सुपरस्टार ने ली CM पद की शपथ

चेन्नई (ब्यूरो)- सालों तक सिनेमाई पर्दे पर धमाल मचाने वाले फेमस तमिल एक्टर विजय ने आज तमिलनाडु में मुख्यमंत्री पद की शपथ ले ली है। चेन्नई के जवाहरलाल नेहरू इंडोर स्टेडियम में राज्यपाल राजेंद्र आर्लेकर ने उन्हें मुख्यमंत्री पद की शपथ दिलाई। पहली बार के चुनाव में ही एक्टर विजय की पार्टी तमिलगा वेत्री कषगम (TVK) ने 108 सीटों पर जीत हासिल की थी। उसके बाद कुछ दिनों के सियासी खींचतान के बाद उन्होंने बहुमत का आंकड़ा जुटाया और रविवार को चेन्नई में समर्थकों से भरे स्टेडियम में मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। विजय ने तमिल में मुख्यमंत्री पद की शपथ ली।

विजय के सीएम बनते ही तमिलनाडु की राजनीति ने नए युग में प्रवेश लिया। शपथ ग्रहण के दौरान जैसे ही विजय का नाम पुकारा गया, पूरा स्टेडियम समर्थकों के शोर से गूंज उठा। इस दौरान लोग विसिल भी बजाते दिखे। समर्थकों के भारी उत्साह ने विजय को भी जोश में नजर आए।

केरल में जीत के बाद भी CM के चयन को लेकर फंसी कांग्रेस

राहुल गांधी की पसंद केसी वेणुगोपाल : सूत्र

» प्रथम न्यूज । नई दिल्ली

10 मई (ब्यूरो)

केरल विधानसभा चुनाव में कांग्रेस की अगुवाई वाले यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट की ऐतिहासिक जीत के बाद अब पार्टी के सामने सबसे बड़ी चुनौती अगले मुख्यमंत्री का चयन है।

शानदार बहुमत मिलने के बावजूद मुख्यमंत्री के चेहरे पर अभी तक सहमति नहीं बन पाई है और पार्टी के अंदर खींचतान खुलकर सामने आ गई है। पार्टी सूत्रों के अनुसार, कांग्रेस सांसद राहुल गांधी केरल में मुख्यमंत्री पद के लिए अपने भरोसेमंद नेता और पार्टी महासचिव केसी वेणुगोपाल को आगे बढ़ाना चाहते हैं। वेणुगोपाल अलाप्पुझा लोकसभा सीट से सांसद हैं और संगठन में उनकी पकड़ मजबूत मानी जाती है। सूत्रों के अनुसार, अगले दो दिन तक पार्टी अपने कार्यकर्ताओं और नेताओं को केसी वेणुगोपाल को मुख्यमंत्री पद के लिए समर्थन देने के लिए मनाएगी।

सूत्रों ने बताया कि दिल्ली में पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के आवास पर कांग्रेस नेताओं की औपचारिक बैठक से पहले, राहुल गांधी ने केसी वेणुगोपाल से अलग से मुलाकात की। उन्होंने बताया कि वेणुगोपाल के खिलाफ कथित तौर पर एक अन्य प्रभावशाली पार्टी नेता वीडी सतीशन की मदद से मजाक उड़ाने वाले पोस?टर लगाए गए थे।

सूत्रों ने बताया कि जब सतीशन बैठक में पहुंचे तो राहुल गांधी ने उनसे अपने खिलाफ लगे आरोपों के बारे में पूछा।

इस दौरान सतीशन ने स्वीकार है कि वे वेणुगोपाल के मुख्यमंत्री बनने के खिलाफ हैं। सूत्रों के मुताबिक, सतीशन का तर्क था कि कांग्रेस महासचिव होने के नाते वेणुगोपाल विधायकों पर गुट बनाने के लिए दबाव डालते थे। सतीशन ने साफ किया कि उन्होंने कभी भी अपने फायदे के लिए गुट नहीं बनाए और केरल में विपक्ष के नेता के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान सभी विधायकों को साथ लेकर चले।

आपके शहर में खानदानी
पं. आर के शर्मा
आशा की किरण ज्योतिष रत्नाकर
HAND READING, FACE READING, SNAPS READING
SPECIALIST : Solve your life problems like trouble in Business, Studies, Foreign, Travelling, Children, Love Marriage, & All Kind of Family Problem
जब कहीं न हो काम तो हमसे लो समाधान क्योंकि हमारा काम ही हमारा चैलेंज है। क्या आप परेशान हैं तो एक बार अवश्य मिलें।
खुला चैलेंज :- घंटों में समाधान वालों से सावधान!
जैसे :- कारोबार न चलना, नौकरी प्रमोशन, ट्रांसफर में रुकावट, कितनी भी मेहनत करना फल न मिलना, घर में लड़ाई, कामों में रुकावट, प्यार में धोखा, विवाह में देरी होना, मन पसंद शादी, मानसिक तनाव, विदेश यात्रा में रुकावट, संतान सुख, बच्चे कहने से बाहर, पढ़ाई में मन न लगना, पति-पत्नी में अनबन, ससुराल से ठोकर, नजर दोष, लक्ष्मी नुकसान, मांगलिक दोष, काल सर्प दोष, किया कराया का वहम, वास्तु दोष, नवग्रह शांति पूजा, कठिन से कठिन समस्या के समाधान के लिए तुरंत मिलें।
व्यर्थ इधर-उधर न भटकें
(प्यार में धोखा खाए भाई व बहन एक बार अवश्य मिलें)
लाल किताब, वास्तु, जन्म कुंडली विशेषज्ञ
अगर आपका ज्योतिष, तांत्रिक, बाबाओं से विश्वास उठ गया है या आपका काम नहीं हुआ तो एक बार श्रद्धा और विश्वास से मिलें।
देवी माँ की साधना द्वारा तुरंत समाधान
गुमराह होने से बचें। ज्योतिष 100% विज्ञान है।
रोजाना मिलें : -कृपया फोन पर समय लेकर मिलें । समय : सुबह 10 बजे से शाम 6 बजे तक
मो.: 95016-36513
कोठी नंबर 491, फेज 3 बी1, मोहाली, नजदीक जनता मार्केट (चंडीगढ़ में भी मिलें)

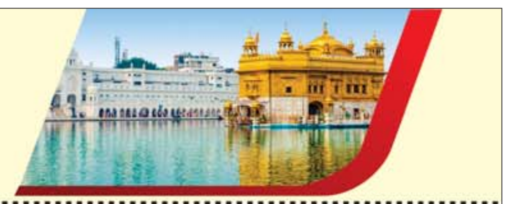

संक्षिप्त न्यूज

सेंट सोल्जर स्कूल जंडियाला में मनाया मदर्स डे

अमृतसर (साहिब दयाल) सेंट सोल्जर एलीट कॉन्वेंट स्कूल जंडियाला गुरु में मदर्स डे उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर किंडरगार्टन (बालवाड़ी) अनुभाग के बच्चों के माता-पिता ने बड़े उत्साह के साथ भाग लिया। इस कार्यक्रम में उन सभी माताओं के निस्वार्थ प्रेम, कड़ी मेहनत और बलिदान को खूबसूरती से दर्शाया गया, जो अपनी देखभाल और संस्कारों से बच्चों के भविष्य को संवारती हैं। इस कार्यक्रम में श्रीमती अक्विंदर कौर (तहसीलदार, जंडियाला गुरु), श्री नरेश पाठक पंजाब स्कूल एजुकेशन बोर्ड और उनकी पत्नी श्रीमती लवलीन पाठक, सरदार सरबजीत सिंह डिंपी (शहर अध्यक्ष, आम आदमी पार्टी) और उनकी पत्नी श्रीमती जतिंदर कौर जी, तथा श्रीमती अमनदीप कौर जी (निदेशक-प्रधानाचार्य, सेंट सोल्जर एलीट कैम्ब्रिज स्कूल, रामतीर्थ रोड, अमृतसर) मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित हुए। बच्चों के माता-पिता के लिए आयोजित किए गए दिलचस्प खेलों और आनंदमय गतिविधियों ने इस कार्यक्रम को और भी अधिक मनोरंजक बना दिया, जिसमें सभी माता-पिता ने बड़े उत्साह के साथ भाग लिया। इस अवसर पर, स्कूल की निदेशक-प्रधानाचार्य, श्रीमती डॉ. अमरप्रीत कौर जी ने कहा कि एक माँ ही बच्चे की पहली शिक्षिका होती है, वह सबसे बड़ी समर्थक होती है और हर परिवार का हृदय होती है। आइए, हम अपनी माताओं के बलिदान के लिए उन्हें भरपूर प्रेम और सम्मान दें। स्कूल के प्रबंध निदेशक, डॉ. मंगल सिंह किशनपुरी जी और निदेशक-प्रधानाचार्य, श्रीमती डॉ. अमरप्रीत कौर जी ने अतिथियों को यादगार स्मृति-चिह्न भेंट कर सम्मानित किया, और कार्यक्रम में उपस्थित होने के लिए बच्चों के माता-पिता का हृदय की गहराइयों से आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर, स्कूल के प्रधानाचार्य श्री संदीप शर्मा, उप-प्रधानाचार्य श्रीमती शिल्पा शर्मा, श्रीमती नीलाक्षी गुप्ता, समस्त स्टाफ सदस्य और सभी बच्चे उपस्थित थे।

श्री खुरालगढ़ साहिब माथा टेक कर वापस आ रही बस खाई में गिरी, जानमाल के नुकसान से हुआ बचाव

होशियारपुर (तरसेम दीवान) - श्री चरणछोह गंगा श्री खुरालगढ़ साहिब में माथा टेक कर वापस आ रही बस चढ़ाई चढ़ते समय ब्रेक फेल होने के कारण गहरी खाई में जा गिरी। आज सुबह गांव दौलतपुर फगवाड़ा से एक बस नंबर पीवी 08 बी जेड 0181 भरकर ऐतिहासिक स्थान श्री चरणछोह गंगा और श्री गुरु रविदास ऐतिहासिक धर्म स्थान बेगमपुरा श्री खुरालगढ़ साहिब के दर्शनों के लिए आई थी जिसमें 55 के करीब सवारियां थीं। माथा टेक कर वापस जाने के समय श्री बेगमपुरा चौक से खुराली गांव को चढ़ाई चढ़ते समय गाड़ी के ब्रेक फेल होने के कारण बस पीछे की ओर आकर गहरी खाई की ओर घूम गई और पिछले टायरों से गहरी खाई में गिर पड़ी।

बस में 3-4 सवारियों को छोड़कर बाकी बस खाली करके सवारियों को नीचे उतारने से भारी जानमाल के नुकसान से बचाव हो गया। एक महिला, एक चार साल की बच्ची और ड्राइवर सहित तीन अन्य व्यक्ति बस में सवार थे। एक व्यक्ति को मामूली चोटें लगीं और मौके पर मौजूद लोगों द्वारा उन्हें बस में से सुरक्षित बाहर निकाला।

इस मौके पर संगत के साथ आए सुखदेव राज ने बताया कि गांव दौलतपुर फगवाड़ा से संगत श्री खुरालगढ़ साहिब माथा टेक कर वापस जा रही थी तो बेगमपुरा चौक से चढ़ाई चढ़ने के समय यह हादसा हो गया।

इस मौके पर मौजूद संत सतविंदर हीरा राष्ट्रीय प्रधान ऑल इंडिया आदि धर्म मिशन (रजि.) भारत ने संगत का हाल जाना और कहा कि यह रास्ता खतरनाक है यहां पहले कई एक्सीडेंट हो चुके हैं और अनगिनत कीमती जानें जा चुकी हैं। उन्होंने सरकार से मांग की कि इस खतरनाक रोड को बड़ी गाड़ियों के लिए बंद किया जाए और ट्रैफिक पुलिस की निगरानी के लिए पक्की ड्यूटी लगाई जाए ताकि दुर्घटनाओं से बचाव हो सके।

मैक्स अस्पताल, मोहाली में स्पेशलाइज्ड मदर एंड चाइल्ड यूनिट का शुभारंभ हुआ

चंडीगढ़ (जगमीत घुम्मन)- मदर्स डे के मौके पर रविवार को मैक्स अस्पताल, मोहाली में एक स्पेशलाइज्ड मदर एंड चाइल्ड यूनिट का शुभारंभ किया गया। इसका उद्देश्य महिलाओं और बच्चों को एक ही छत के नीचे व्यापक और विशेष देखभाल प्रदान करना है। डायरेक्टर एवं सीओओ- हॉस्पिटल ऑपरेशंस, डॉ सिमरदीप सिंह गिल ने बताया कि यह यूनिट गर्भधारण पूर्व और गर्भावस्था से लेकर प्रसव, नवजात शिशु देखभाल और बाल चिकित्सा सेवाओं तक, सभी चरणों में संपूर्ण देखभाल प्रदान करने के लिए बनाई गई है।

एडवांस्ड मेडिकल इंफ्रास्ट्रक्चर से लेस्स और स्पेशलिस्ट की मल्टी-डिसिप्लिनरी टीम द्वारा सपोर्टेड यह यूनिट सुरक्षित, सीमलेस और उच्च गुणवत्ता वाली देखभाल सुनिश्चित करेगी।

इस मौके पर मैक्स ने 'द हैप्पी बंप एंड शी' प्रोग्राम का भी शुभारंभ किया, जो महिलाओं में निवारक स्वास्थ्य देखभाल और जागरूकता को बढ़ावा देने पर केंद्रित एक विशेष पहल है।

यह कार्यक्रम नियमित स्वास्थ्य जांच, शीघ्र निदान और प्रजनन स्वास्थ्य, स्तन स्वास्थ्य, हार्मोनल विकार और जीवनशैली से संबंधित स्थितियों जैसी प्रमुख स्वास्थ्य समस्याओं के बारे में शिक्षा को प्रोत्साहित करता है।

बलाचौर BJP कार्यालय में हंगामा

AAP विधायक सुक्खी पर बदसलूकी के आरोप, धरने के दौरान बढ़ा तनाव

बलाचौर में राजनीतिक टकराव तेज, BJP कार्यालय में घुसने को लेकर विवाद, BJP नेताओं ने विधायक सुक्खी पर लगाया मारपीट की कोशिश का आरोप

» प्रथम न्यूज । बलाचौर
10 मई (ब्यूरो)

बलाचौर में बीजेपी कार्यालय के बाहर आम आदमी पार्टी द्वारा दिए गए धरने के दौरान उस समय माहौल तनावपूर्ण हो गया, जब बीजेपी नेताओं ने बंगा से विधायक डॉ. सुखविन्द्र सुक्खी पर कार्यालय में घुसकर बदसलूकी और हाथापाई की कोशिश करने के आरोप लगाए। घटना के बाद दोनों दलों के कार्यकर्ताओं में तीखी नोकझोंक हुई और मामला पुलिस तक पहुंच गया।

जानकारी के अनुसार आम आदमी पार्टी ने पहले से बीजेपी कार्यालय के बाहर जिला स्तरीय धरने का ऐलान किया हुआ था।

धरने में हलका विधायक संतोष कटारिया, जिला योजना बोर्ड के चेयरमैन सतनाम जलालपुर, मार्केट कमेटी चेयरमैन सेठी उधनवाल सहित कई स्थानीय नेता मौजूद थे। इसी दौरान बंगा से विधायक डॉ. सुखविन्द्र सुक्खी भी धरने में पहुंचे।

बीजेपी जिला अध्यक्ष एडवोकेट राजविन्द्र सिंह लक्की ने आरोप लगाया कि धरने के दौरान विधायक सुक्खी अपने समर्थकों समेत प्रोटोकॉल तोड़ते हुए बीजेपी कार्यालय के अंदर घुस आए।

उन्होंने कहा कि वह धरनाकारियों की बात सुनने बाहर गए थे और उन्होंने धरने में शामिल लोगों के लिए चाय-पानी की व्यवस्था भी करवाई थी, लेकिन इसके बावजूद माहौल बिगाड़ा गया।

लक्की ने आरोप लगाया कि उनके साथ धक्का-मुक्की की कोशिश की गई तथा उनका मोबाइल फोन छीनने का प्रयास किया गया। उन्होंने यह भी कहा कि कुछ लोग उनका स्पीकर उठा कर ले गए। बीजेपी नेताओं का आरोप है कि विधायक सुक्खी ने पुलिस अधिकारियों के साथ भी अभद्र व्यवहार किया और एसएचओ को धक्का देकर कार्यालय में प्रवेश किया।

बीजेपी की वरिष्ठ नेता वरिंद्र कौर थांदी ने कहा कि विधायक सुक्खी गुंडों समेत कार्यालय में घुसे और यह लोकतांत्रिक मर्यादाओं के खिलाफ है। उन्होंने घटना की कड़ी निंदा करते हुए दोषियों पर कार्रवाई की मांग की।

वहीं, विधायक डॉ. सुखविन्द्र सुक्खी ने अपने ऊपर लगाए गए सभी आरोपों को नकार दिया। उनका कहना है कि बीजेपी नेता राजनीतिक लाभ लेने के लिए झूठे आरोप लगा रहे हैं। उन्होंने कहा कि धरना शांतिपूर्ण था और किसी प्रकार की मारपीट या बदसलूकी नहीं हुई।

घटना के बाद राजनीतिक माहौल गरमा गया है। बीजेपी नेताओं ने मामले की शिकायत एसएसपी नवांशहर को देने और संबंधित धाराओं के तहत कार्रवाई की मांग करने की बात कही है।

BJP कार्यालयों पर हमले बर्दाश्त नहीं, डराने की राजनीति फेल होगी : अश्विनी शर्मा

कहा, आप भ्रष्टाचार से ध्यान भटकाने के लिए करवा रही राजनीतिक टकराव

पंजाब में लोकतंत्र नहीं, आप की भ्रष्ट व्यवस्था खतरे में : अश्विनी शर्मा

» प्रथम न्यूज । जालंधर
10 मई (एएम नाथ)

पंजाब में भाजपा कार्यालयों पर कथित हमलों और पार्टी नेताओं के साथ अभद्र व्यवहार को लेकर भाजपा के वरिष्ठ नेता अश्वनी शर्मा ने आम आदमी पार्टी सरकार पर तीखा हमला बोला है। भाजपा पंजाब के प्रदेश मीडिया प्रमुख विनीत जोशी की मौजूदगी में अश्विनी शर्मा ने कहा कि पंजाब में राजनीतिक डराने-धमकाने और पुलिस मशीनरी के दुरुपयोग की राजनीति को किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं किया जाएगा। उन्होंने आरोप लगाया कि आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ता भाजपा कार्यालयों को निशाना बना रहे हैं और पंजाब पुलिस राजनीतिक दबाव में काम कर रही है। शर्मा ने कहा कि भाजपा कार्यकर्ताओं के खिलाफ गुंडागर्दी को बढ़ावा दिया जा रहा है, लेकिन भारतीय जनता पार्टी इससे डरने वाली नहीं है। अश्विनी शर्मा ने कहा कि पंजाब की आम

आदमी पार्टी सरकार सरकारी मशीनरी का दुरुपयोग कर रही है और अपने नेताओं पर लगे भ्रष्टाचार के आरोपों से जनता का ध्यान भटकाने की कोशिश कर रही है। उन्होंने हाल ही में राज्यसभा सांसद संजीव अरोड़ा से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में ईडी की कार्रवाई का जिक्र करते हुए कहा कि जब भी जांच एजेंसियां 'आप' नेताओं के खिलाफ कार्रवाई करती हैं तो पार्टी लोकतंत्र और संविधान खतरे में होने का शोर मचाने लगती है।

उन्होंने कहा कि पंजाब या लोकतंत्र खतरे में नहीं है, बल्कि आम आदमी पार्टी की भ्रष्ट व्यवस्था खतरे में है। शर्मा ने आरोप लगाया कि राज्य सरकार अपनी प्रशासनिक विफलताओं और भ्रष्टाचार को छिपाने के लिए राजनीतिक टकराव और अशांति का माहौल पैदा कर रही है। पश्चिम बंगाल की राजनीति का उदाहरण देते हुए शर्मा ने कहा कि पंजाब में भी भय और हिंसा का वातावरण बनाने की कोशिश हो रही है, लेकिन पंजाब के लोग ऐसी राजनीति को स्वीकार नहीं करेंगे। उन्होंने मुख्यमंत्री भगवंत मान पर राष्ट्रीय सुरक्षा और आतंकवाद जैसे संवेदनशील मुद्दों पर गैर-जिम्मेदाराना बयान देने का आरोप भी लगाया।

अंत में अश्विनी शर्मा ने कहा कि भाजपा विकास, किसानों के कल्याण, नशामुक्त और कर्जमुक्त पंजाब के लिए काम करती रहेगी।

उन्होंने चेतावनी दी कि विपक्ष की आवाज दबाने के किसी भी प्रयास का भाजपा मजबूती से विरोध करेगी और पार्टी कार्यकर्ता पंजाब तथा पंजाबियों के मुद्दे निर्भीक होकर उठाते रहेंगे।

नई उड़ान संस्था ने जरूरतमंद बच्चों को दी स्कूल यूनिफॉर्म

जालंधर (डोगरा)- नई उड़ान वेल्फेयर सोसाइटी द्वारा अपना 124वां प्रोजेक्ट सर्वहितकारी केशव विद्या निकेतन, सूर्या एनक्लेव में आयोजित किया गया। इस अवसर पर वरुण शर्मा ने बताया कि संस्था द्वारा स्कूल के कुछ जरूरतमंद बच्चों को स्कूल यूनिफॉर्म वितरित की गई। उन्होंने कहा कि आज के बच्चे देश का भविष्य हैं, इसलिए उनकी शिक्षा में किसी प्रकार का विघ्न नहीं आना चाहिए। संस्था हर समय ऐसे बच्चों की सहायता के लिए तत्पर रहती है।

स्कूल की ओर से प्रिंसिपल अरविंद बैंस और प्रबंधक मनीष शर्मा ने संस्था के सामाजिक कार्यों की सराहना करते हुए उनका धन्यवाद किया। बच्चों ने सभी सदस्यों का तिलक लगाकर स्वागत किया तथा प्रार्थना सभा में सरस्वती वंदना, गायत्री मंत्र, ओम उच्चारण और शांति पाठ प्रस्तुत किया।

प्रधान राजन गुप्ता ने बच्चों को जरूरतमंदों की सहायता करने के लिए प्रेरित करते हुए कहा कि सेवा और सहयोग से भगवान प्रसन्न होते हैं। अंत में स्कूल प्रबंधन द्वारा सभी सदस्यों को गीता सार पुस्तक भेंट कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर अध्यक्ष रमन गुप्ता, नीरज अग्रवाल, हेमंत थापर, विशाल मेहता, संदीप छिब्बर, शैलेंद्र टंडन, राजकुमार, लविश कुमार आदि उपस्थित रहे।

पिछड़ा वर्ग को कल्याणकारी योजनाओं का लाभ देना सुनिश्चित करें अधिकारी : चेयरमैन थिंद

» प्रथम न्यूज । गुरदासपुर
10 मई (संदीप सन्नी)

पंजाब राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग के चेयरमैन मलकीत सिंह थिंद ने जिला प्रशासकीय परिसर गुरदासपुर में जिला अधिकारियों और पिछड़ा वर्ग कल्याण संगठनों के साथ एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक की। बैठक के दौरान उन्होंने पिछड़ा वर्ग से संबंधित लोगों को दी जा रही सुविधाओं और उन्हें आ रही समस्याओं का जायजा लिया।

प्रमुख निर्देश और घोषणाएं

योजनाओं का लाभ : चेयरमैन ने स्पष्ट किया कि मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व में सरकार पिछड़ा वर्ग का जीवन स्तर ऊंचा उठाने के लिए प्रतिबद्ध है और कल्याणकारी योजनाओं का लाभ देने में किसी भी तरह की देरी बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

जागरूकता शिविर : उन्होंने विभागीय स्तर पर अधिक से अधिक जागरूकता शिविर लगाने के निर्देश दिए ताकि आम लोगों को सरकारी योजनाओं की जानकारी मिल सके।

जाति प्रमाण पत्र : उन्होंने अधिकारियों को हिदायत दी कि पिछड़ा वर्ग के लोगों को जाति प्रमाण-पत्र बनवाने में कोई असुविधा नहीं होनी चाहिए।

विभागीय समीक्षा : बैठक में ग्रामीण विकास, शिक्षा, सहकारिता, सामाजिक न्याय, लेबर और कृषि विभाग जैसी विभिन्न योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की गई।

प्रशासनिक आश्वासन

एडिशनल डिप्टी कमिश्नर (जनरल) गुरसिमरन सिंह ढिल्लों ने चेयरमैन को आश्वासन दिया कि जिला प्रशासन पिछड़ा वर्ग से संबंधित कल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र लाभार्थियों तक पहुँचाने के लिए पूरी तरह वचनबद्ध है।

संगठनों से संवाद

अधिकारियों के साथ बैठक से पहले चेयरमैन थिंद ने कल्याण संगठनों के प्रतिनिधियों से मुलाकात की और उनकी समस्याएं सुनीं। उन्होंने संगठनों से अपील की कि वे अपनी मांगों और समस्याओं से संबंधित मांग-पत्र उन्हें भेजें ताकि उनका समय पर समाधान किया जा सके। इससे पहले डिप्टी कमिश्नर आदित्य उप्पल ने गुरदासपुर पहुँचने पर चेयरमैन का स्वागत किया।

बैठक में जिला सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता अधिकारी सुखविंदर सिंह घुम्मन, एसपी रमनदीप सिंह (बटाला), डीएसपी सीमा, डॉ. किरतप्रीत कौर और विभिन्न विभागों के अन्य वरिष्ठ अधिकारी व संगठनों के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

विधायक रंधावा ने गांव समराए और साधांवाली में लोगों को सरकार की उपलब्धियों से करवाया अवगत

गुरदासपुर (संदीप सन्नी) - डेरा बाबा नानक के विधायक गुरदीप सिंह रंधावा ने शानदार 4 साल भगवंत मान सरकार के साथ मुहिम के तहत गांव समराए और साधांवाली का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने ग्रामीणों के साथ मुलाकात कर मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान की अगुवाई वाली पंजाब सरकार द्वारा पिछले 4 वर्षों में किए गए विकास कार्यों और जन-कल्याणकारी योजनाओं के बारे में विस्तार से विचार साझा किए।

महिलाओं और किसानों के लिए बड़े फैसले - विधायक रंधावा ने ग्रामीणों को संबोधित करते हुए कहा कि आम आदमी पार्टी ने महिलाओं को 1,000 रुपए देने की जो गारंटी दी थी, उसे पूरा कर दिया गया है। अनुसूचित जाति की महिलाओं के लिए 1,500 रुपए और जनरल श्रेणी की महिलाओं के लिए 1,000 रुपए की अतिरिक्त पेंशन हेतु पंजीकरण शुरू होने से यह राशि सीधे उनके बैंक खातों में जमा होगी। इसके अलावा, पंजाब के 90त्न घरों के बिजली बिल जीरो आ रहे हैं और किसानों के ट्यूबवेलों के लिए दिन के समय बिजली सप्लाई सुनिश्चित की गई है।

स्वास्थ्य और शिक्षा में क्रांतिकारी बदलाव- स्वास्थ्य सेवाओं का जिक्र करते हुए उन्होंने बताया कि 10 लाख रुपए की मुफ्त स्वास्थ्य बीमा योजना लागू की गई है और 985 आम आदमी क्लीनिकों के माध्यम से मुफ्त इलाज, दवाइयां और टेस्ट की सुविधा दी जा रही है। शिक्षा के क्षेत्र में सुधारों पर चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि 2,000 सरकारी स्कूल के छात्रों ने नीट और जेईई की परीक्षाएं पास की हैं और अध्यापकों को विश्व स्तरीय प्रशिक्षण के लिए फिनलैंड और सिंगापुर भेजा जा रहा है।

बुनियादी ढांचा और निवेश - रंधावा ने बताया कि राज्य में 40,000 किलोमीटर ग्रामीण लिंक सड़कों का पुनर्निर्माण किया गया है और 9,000 से अधिक आधुनिक ग्रामीण खेल स्टेडियम बनाए जा रहे हैं। उन्होंने यह भी साझा किया कि पिछले चार वर्षों में पंजाब में रिकॉर्ड 1.55 लाख करोड़ रुपए का निवेश हुआ है।

विधायक ने अंत में कहा कि लोगों से मिल रहे सुझाव भविष्य की बेहतर योजनाबंदी में सहायक होंगे और जनता का विश्वास ही सरकार की नीतियों की सफलता का प्रमाण है।

हेरोइन और अवैध शराब के साथ दो गिरफ्तार

गुरदासपुर (संदीप सन्नी)

गुरदासपुर पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए दो अलग-अलग मामलों में नशीले पदार्थों और अवैध शराब के साथ एक युवक और एक महिला को गिरफ्तार किया है।

कार्रवाई का विवरण

6 ग्राम हेरोइन बरामद - थाना दीनानगर की पुलिस ने गश्त के दौरान गुलशन कुमार नामक व्यक्ति को काबू किया। तलाशी लेने पर उसके कब्जे से 6 ग्राम हेरोइन बरामद हुई। आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है।

7500 एमएल अवैध शराब जब्त - थाना सदर गुरदासपुर की पुलिस ने एक गुप्त सूचना के आधार पर छापेमारी कर एक महिला को गिरफ्तार किया। उसके पास से 7500 एमएल (7.5 लीटर) अवैध शराब बरामद की गई। आरोपी महिला के खिलाफ आबकारी एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है।

प्रथम न्यूज
राष्ट्रीय हिंदी दैनिक
हिमाचल न्यूज
Website : www.prathamnews.in

संक्षिप्त न्यूज

हिमाचल के कई भागों में पांच दिन बारिश होने के आसार

कई जिलों में ओलावृष्टि का अलर्ट

शिमला (एएम नाथ)– हिमाचल प्रदेश के कई भागों में मौसम लगातार खराब बना हुआ है। विभाग के अनुसार प्रदेश में 9 व 10 मई को मौसम शुष्क बना रहेगा। शनिवार को राजधानी शिमला में हल्के बादल छाए रहे। उधर, बीते 24 घंटों के दौरान सराहन में 25.7, खदराला 14.0, रोहड़ू 10.0, रामपुर 3.6, चौपाल और चंबा 2.0, कोटखाई 1.3, कुफरी 1.0 व कल्पा में 0.6 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई।

मौसम विज्ञान केंद्र शिमला के अनुसार राज्य में 10 मई को पश्चिमी विक्षोभ की सक्रियता से बारिश होने के आसार हैं। राज्य के कुछ भागों में 11 मई को हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है। जबकि 12 व 13 मई को कई भागों में हल्की से मध्यम बारिश होने के आसार हैं। 14 मई को भी कुछ क्षेत्रों में बारिश का पूर्वानुमान है। 15 मई को भी कुछ क्षेत्रों में मौसम खराब रहेगा। 12 व 13 मई को कांगड़ा, कुल्लू, मंडी व शिमला जिले में 40-50 किमी प्रति घंटा की रफ्तार से हवाएं चलने व भारी ओलावृष्टि का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है।

बिलासपुर के झंडूता में अमन ने 10वीं में कंपार्टमेंट आने पर दी जान

पिता करने गए थे मजदूरी, मां भी थीं बाहर; हताश किशोर ने दी जान

बिलासपुर (जितेंद्र गौतम)– झंडूता विधानसभा क्षेत्र के तहत ग्राम पंचायत जड्डू कुलज्यार के गांव ठठल जंगल में 15 वर्षीय किशोर ने फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। मृतक की पहचान अमन कुमार के रूप में हुई है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, 10वीं कक्षा में कंपार्टमेंट आने के बाद वह तनाव में था। बताया जा रहा है कि अमन कुमार ने राजकीय उच्च पाठशाला ठठल जंगल से इस वर्ष 10वीं की परीक्षा दी थी। रविवार को घोषित परीक्षा परिणाम में उसे कंपार्टमेंट आई थी। घटना के समय पिता दिहाड़ी मजदूरी के लिए बाहर गए हुए थे, जबकि मां किसी समारोह में शामिल होने गई थीं।

घर में अकेला होने पर अमन ने कमरे का दरवाजा बंद कर छत से फंदा लगा लिया। दोपहर बाद जब मां घर लौटी तो दरवाजा अंदर से बंद मिला। काफी आवाज लगाने के बावजूद कोई जवाब नहीं मिला। शक होने पर खिड़की से अंदर देखा तो अमन फंदे से लटका हुआ था। इसके बाद स्थानीय लोगों को सूचना दी गई और पुलिस थाना तलाई को मामले की जानकारी दी गई।

सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी। पुलिस ने पोस्टमार्टम के लिए शव को अस्पताल भेज दिया है। प्रारंभिक तौर पर मामला आत्महत्या का माना जा रहा है, हालांकि मौत के सही कारणों का पता पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही चल पाएगा। डीएसपी घुमारवीं विशाल वर्मा ने बताया कि मामले की जांच जारी है।

हमीरपुर में 1179 लड़कियों ने लगवाए एचपीवी के टीके

हमीरपुर (ब्यूरो)– सर्विकल कैंसर (गर्भाशय ग्रीवा का कैंसर) से बचाव हेतु आरंभ किए गए एचपीवी टीकाकरण अभियान के तहत रविवार को भी जिले के विभिन्न अस्पतालों एवं स्वास्थ्य केंद्रों में 14-15 वर्ष आयु वर्ग की 8 लड़कियों को एचपीवी वैक्सीन के टीके लगाए गए। इसके साथ ही जिले में इस अभियान के तहत टीका लगवाने वाली लड़कियों की संख्या 1179 तक पहुंच गई है।

जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अजय अत्री ने बताया कि प्राइवेट अस्पतालों में एचपीवी का टीका आम तौर पर दस हजार रुपये से भी अधिक कीमत पर उपलब्ध होता है, लेकिन सरकार लड़कियों को सुरक्षा चक्र प्रदान करने तथा उन्हें भविष्य में सर्विकल कैंसर से बचाने के लिए यह टीका मुफ्त लगा रही है। उन्होंने बताया कि महिलाओं में बार-बार इनफेक्शन के कारण सर्विकल कैंसर का खतरा बढ़ जाता है। सर्विकल कैंसर की शिकार लगभग 99.7 प्रतिशत महिलाओं में इसका कारण लंबे समय तक इनफेक्शन होना ही है। एक अध्ययन के अनुसार एक लाख महिलाओं में लगभग 14 महिलाएं इससे ग्रस्त पाई जाती हैं। महिलाओं में ब्रैस्ट कैंसर के बाद सर्विकल कैंसर सबसे ज्यादा पाया गया है। इस गंभीर रोग से बचाव के लिए ही एचपीवी वैक्सीनेशन अभियान आरंभ किया गया है।

नौणी विश्वविद्यालय में डॉ. हरमिंदर सिंह बवेजा को मिला कुलपति का अतिरिक्त कार्यभार

सोलन (एएम नाथ)– डॉ. यशवंत सिंह परमार उद्यानिकी एवं वानिकी विश्वविद्यालय नौणी में फ्लोरीकल्चर एवं लैंडस्केप आर्किटेक्चर विभाग के प्रधान विज्ञानी डा. हरमिंदर सिंह बवेजा को कुलपति का अतिरिक्त कार्यभार सौंपा है।

राज्यपाल एवं विश्वविद्यालय के कुलाधिपति कविन्द्र गुप्ता ने इस संबंध में आदेश जारी किए हैं। डा. बवेजा ने शनिवार को कुलपति का अतिरिक्त कार्यभाल संभाल लिया है। कुलपति डा. राजेश्वर सिंह चंदेल का एक वर्ष का अतिरिक्त कार्यकाल आठ मई को समाप्त हुआ था।

प्रख्यात फ्लोरीकल्चर विज्ञानी डा. बवेजा के पास शिक्षण, अनुसंधान, प्रशासन व प्रसार कार्यों का 36 वर्षों से अधिक का अनुभव है। उन्होंने राज्य कृषि विपणन बोर्ड के प्रबंध निदेशक, हिमाचल व उत्तराखंड के बागवानी निदेशक सहित कई महत्वपूर्ण पदों पर सेवाएं दी हैं। उन्होंने एफएओ सम्मेलनों में भारत का प्रतिनिधित्व किया है।

साथ ही यूरोप व यूएई में अंतरराष्ट्रीय अध्ययन दौरे भी किए हैं। उन्हें ई-नाम क्रियान्वयन के लिए प्रधानमंत्री पुरस्कार (2017) व एशिया पैसिफिक एक्सीलेंस अवार्ड सहित कई प्रतिष्ठित सम्मान प्राप्त हो चुके हैं। कार्यभार संभालने के बाद डा. बवेजा ने कहा कि विश्वविद्यालय का विशेष ध्यान ऐसे कुशल स्नातकों को तैयार करने पर होगा, जो कृषि व बागवानी के विकास में योगदान दें।

शिमला नगर निगम में लेखा अधिकारी रामेश्वर शर्मा आत्महत्या मामले में सुसाइड नोट बरामद

» प्रथम न्यूज । शिमला
10 मई (ब्यूरो)

नगर निगम शिमला में कार्यरत लेखा अधिकारी रामेश्वर शर्मा आत्महत्या मामले में पुलिस को देर रात घर की दोबारा तलाशी के दौरान सुसाइड नोट मिला है। इसमें उन्होंने मानसिक तनाव का जिक्र किया है। हालांकि उन्होंने किसी व्यक्ति या अधिकारी पर कोई आरोप नहीं लगाया है। पुलिस ने सुसाइड नोट को फोरेंसिक जांच के लिए भेज दिया है।

रामेश्वर शर्मा के साले कृष्ण शर्मा ने आरोप लगाया कि उनका भानजा भी कार्यालय में किसी तरह की लाबिंग की बात कर रहा था और सुसाइड नोट में भी ऐसी बातें लिखी हैं। उन्होंने मामले की निष्पक्ष जांच करने की मांग की है।

शुक्रवार को पुलिस कंट्रोल रूम 112 के माध्यम से थाना शिमला पूर्वी को सूचना मिली कि एक व्यक्ति को उपचार के लिए आइजीएमसी शिमला लाया गया और चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। 45 वर्षीय रामेश्वर शर्मा पुत्र तुलसी राम गांव सीमा डाकघर रत्नाड़ी तहसील रोहड़ू जिला शिमला का रहने वाला था। वह मेहली स्थित पाइन व्यू बिल्डिंग गुसां रोड में रहता था।

प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि रामेश्वर शुक्रवार को कार्यालय गया था, लेकिन तय समय से पहले घर लौट गया। पत्नी ने उसे घर में फंदे से लटका पाया था। पुलिस ने शनिवार को आइजीएमसी में शव का पोस्टमार्टम करवाया और आत्महत्या के कारणों की जांच कर रही है। सहकर्मियों के अनुसार, रामेश्वर शांत स्वभाव और जिम्मेदारी से काम करता था।

पुलिस को रामेश्वर के घर से देर रात सुसाइड नोट मिला है। इसमें उसने मानसिक तनाव की बात लिखी है, लेकिन किसी को जिम्मेदार नहीं ठहराया है। पुलिस मामले की हर पहलू से जांच कर रही है।

-गौरव सिंह, एसपी शिमला।

वाहन को लेकर जेई से हुआ था विवाद

रामेश्वर की आत्महत्या के मामले में अब उनके कार्यालय से जुड़े घटनाक्रम भी सामने आ रहे हैं। कुछ दिन पहले कार्यालय में आवंटित टैक्सी को लेकर रामेश्वर का जूनियर इंजीनियर के साथ विवाद हुआ था। नगर निगम के संयुक्त आयुक्त स्तर पर इसे सुलझा लिया था। रामेश्वर शर्मा ने दफ्तर में हो रही लाबिंग को लेकर बच्चे और पारिवारिक सदस्यों से चर्चा की थी। नगर निगम आयुक्त ने भी उनके निधन पर गहरा दुख जताया है।

आयुक्त ने कहा कि रामेश्वर शर्मा पूरी तरह प्रोफेशनल अधिकारी थे। उनकी कार्य क्षमता तथा अनुशासन के मामले में उनकी अलग पहचान थी। उन्होंने कहा कि वह कभी भी कर्मचारियों पर अनावश्यक दबाव नहीं डालते थे।

यहां तक कि काम चार गुना अधिक होने पर भी वह संयम और व्यवस्थित तरीके से कार्य करवाने में विश्वास रखते थे। नगर निगम अधिकारियों और कर्मचारियों के अनुसार, रामेश्वर शर्मा शांत स्वभाव और जिम्मेदार अधिकारी माने जाते थे। उनके अचानक इस तरह चले जाने से नगर निगम परिवार में शोक का माहौल है।

फंदा लगाने से पहले फोन पर पत्नी से की थी बात

रामेश्वर शर्मा ने आत्महत्या से पहले पत्नी से फोन पर बात की थी, जो रिश्तेदार की शादी में रोहड़ू गई थी। रामेश्वर ने पत्नी को फोन कर पूछा था कि वे कहां पहुंचे हैं। पत्नी ने बताया कि वे संजौली पहुंच गए हैं। इसके कुछ मिनट बाद रामेश्वर ने घर में फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। करीब आधे घंटे बाद पत्नी व बेटा घर पहुंचे। पत्नी ने अपनी चाबी से दरवाजा खोला और कमरे में पहुंची तो उसके होश उड़ गए। उसने चीखते हुए बेटे को बुलाया, जिसके बाद दोनों ने रामेश्वर को फंदे से नीचे उतारा। इसके बाद घटना की सूचना 112 हेल्पलाइन पर दी।

10वीं बोर्ड टॉपर अनमोल को मुख्यमंत्री सुक्खू ने फोन कर दी बधाई

» प्रथम न्यूज । शिमला
10 मई (एएम नाथ)

हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड की दसवीं कक्षा की परीक्षा में 99.86 प्रतिशत अंक हासिल कर प्रदेशभर में पहला स्थान प्राप्त करने वाली छात्रा अनमोल को मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविन्द्र सिंह सुक्खू ने फोन कर बधाई एवं शुभकामनाएँ दीं। मुख्यमंत्री ने इस उपलब्धि को अनमोल की कठिन मेहनत, अनुशासन और परिवार तथा गुरुजनों के सहयोग का परिणाम बताया।

मुख्यमंत्री सुक्खू ने कहा कि जीवन में ऐसे पल अत्यंत खास होते हैं, जब किसी विद्यार्थी की सफलता से माता-पिता और शिक्षकों की आँखों में एक साथ गर्व और खुशी दिखाई देती है। उन्होंने कहा कि अनमोल ने न केवल अपने परिवार बल्कि पूरे प्रदेश का नाम रोशन किया है। मुख्यमंत्री ने बातचीत के दौरान अनमोल के भविष्य के सपनों के बारे में भी जानकारी ली। अनमोल ने बताया कि वह अपने पिता की तरह अध्यापक बनना चाहती हैं। इस पर मुख्यमंत्री ने कहा कि जब व्यक्ति अपने लक्ष्य के प्रति पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ आगे बढ़ता है, तो सफलता स्वयं उसके रास्ते को रोशन कर देती है। उन्होंने कहा कि प्रदेश के युवा प्रतिभाशाली हैं और उचित मार्गदर्शन तथा मेहनत के बल पर वे हर क्षेत्र में नई ऊँचाइयाँ हासिल कर सकते हैं। मुख्यमंत्री ने अनमोल को आगे भी इसी लगन और मेहनत के साथ अध्ययन जारी रखने के लिए प्रेरित किया। मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविन्द्र सिंह सुक्खू ने माँ सरस्वती से प्रार्थना करते हुए कहा कि बेटी अनमोल के जीवन का हर प्रयास सफल हो और वह भविष्य में शिक्षा के क्षेत्र में नई मिसाल कायम करे। मुख्यमंत्री की शुभकामनाओं से अनमोल और उनके परिवार में खुशी का माहौल है।

अनियंत्रित होकर खाई में गिरी कार, मां की मौत बेटा गंभीर रूप से घायल

चम्बा (एएम नाथ)– जिला चम्बा के सलूणी उपमंडल के तहत तेलका-झौड़ा मार्ग पर हुए एक भयानक सड़क हादसा पेश आया है, जिसमें एक 60 वर्षीय महिला की मौत हो गई, जबकि कार चला रहा बेटा गंभीर रूप से घायल हो गया है। घायल को उपचार के लिए पंडित जवाहर लाल नेहरू मेडिकल कॉलेज चम्बा में भर्ती करवाया गया है। इस दुखद घटना के बाद पूरे क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई है। मृतक महिला की पहचान सीता (60) पत्नी धर्म चंद, निवासी गांव भेड़ोई, डाकघर डंडी (तहसील सलूणी) के रूप में हुई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार दर्शन कुमार अपनी माता सीता देवी को लेकर कार में तेलका से अपने घर भेड़ोई की तरफ जा रहा था। सफर के दौरान जब वे नहेली मोड़ के पास पहुंचे तो अचानक कार अनियंत्रित हो गई और सड़क से नीचे जा गिरी। कार के खाई में गिरने की तेज आवाज सुनकर आसपास मौजूद लोग तुरंत मौके की तरफ भागे और राहत एवं बचाव कार्य में जुट गए। ग्रामीणों ने तुरंत इसकी सूचना पुलिस को दी। इसके बाद कड़ी मशक्कत से दोनों घायलों को बाहर निकालकर स्थानीय प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र सालवां पहुंचाया गया। दुर्भाग्यवश, प्राथमिक उपचार के दौरान ही बुजुर्ग महिला ने दम तोड़ दिया। वहीं, बेटे की गंभीर हालत को देखते हुए उसे मेडिकल कॉलेज चम्बा रैफर कर दिया गया। उधर, सूचना मिलते ही चम्बा पुलिस की टीम ने मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया। पुलिस ने घायल दर्शन और परिजनों के बयान दर्ज कर लिए है।

हिमाचल बोर्ड 10वीं का रिजल्ट घोषित, 83.87 फीसदी विद्यार्थी पास

10वीं बोर्ड परीक्षा में बेटियों का जलवा, कांगड़ा की अनमोल ने किया टॉप

699 अंक लेकर अनमोल बनी प्रदेश टॉपर, मुख्यमंत्री सुक्खू ने दी बधाई

अनमोल, कांगड़ा

आश्विका शर्मा, हमीरपुर

अलीशा ठाकुर, मंडी

अभिनव मेहता, ऊना

रूहानी धीमान, ऊना

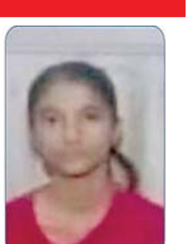
पूर्णिमा शर्मा, बिलासपुर

» प्रथम न्यूज । धर्मशाला
10 मई (एएम नाथ)

हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड द्वारा शनिवार को घोषित किए गए दसवीं कक्षा के परीक्षा परिणाम में इस बार बेटियों का दबदबा देखने को मिला। प्रदेशभर में 83.87 प्रतिशत विद्यार्थी परीक्षा में सफल घोषित हुए हैं। कांगड़ा जिले की मेधावी छात्रा अनमोल ने 700 में से 699 अंक प्राप्त कर पूरे प्रदेश में प्रथम स्थान हासिल किया है। अनमोल की इस शानदार उपलब्धि ने न केवल कांगड़ा बल्कि पूरे हिमाचल का नाम रोशन किया है।

परीक्षा परिणाम में ऊना जिले के अभिनव मेहता, बिलासपुर की पूर्णिमा शर्मा और ऊना की ही रूहानी धीमान ने संयुक्त रूप से दूसरा स्थान प्राप्त किया। वहीं हमीरपुर की आश्विका शर्मा और मंडी जिले की अलीशा ठाकुर ने तीसरा स्थान हासिल कर अपने-अपने जिलों का गौरव बढ़ाया। इस वर्ष मेरिट सूची में छात्राओं का प्रदर्शन विशेष रूप से उत्कृष्ट रहा, जिससे यह साफ दिखाई दिया कि बेटियां शिक्षा के क्षेत्र में लगातार नई ऊंचाइयों को छू रही हैं।

प्रदेशभर के विद्यालयों में परिणाम घोषित होते ही विद्यार्थियों और अभिभावकों में खुशी की लहर दौड़ गई। कई स्थानों पर विद्यार्थियों ने मिठाइयां बांटकर और एक-दूसरे को बधाई देकर अपनी खुशी जाहिर की। सफल विद्यार्थियों ने अपनी उपलब्धि का श्रेय माता-पिता, शिक्षकों और नियमित अध्ययन को दिया।

मेधावी विद्यार्थियों की सफलता पर मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविन्द्र सिंह सुक्खू ने सभी विद्यार्थियों, उनके अभिभावकों और शिक्षकों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री ने कहा कि विद्यार्थियों की मेहनत, अनुशासन और समर्पण ही उनकी सफलता की असली कुंजी है। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि केवल अच्छे अंक प्राप्त करने तक सीमित नहीं है, बल्कि विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की मजबूत नींव भी है।

मुख्यमंत्री ने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा कि शिक्षा जीवन का सबसे बड़ा हथियार है और युवाओं को हमेशा सीखने की जिज्ञासा बनाए रखनी चाहिए। उन्होंने विद्यार्थियों से आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने और अपने सपनों को पूरा करने का आह्वान किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध करवाने के लिए लगातार प्रयासरत है, ताकि हिमाचल के विद्यार्थी राष्ट्रीय स्तर पर अपनी अलग पहचान स्थापित कर सकें।

कांग्रेस जनता को गुमराह करने के लिए दे रही झूठी गारंटियां : जयराम ठाकुर

पालमपुर नगर निगम में प्रत्याशी जनसमर्थन चुनावी सभा में पूर्व मुख्यमंत्री का कांग्रेस पर तीखा हमला

» प्रथम न्यूज । पालमपुर
10 मई (एएम नाथ)

पूर्व मुख्यमंत्री एवं नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने रविवार को नगर निगम पालमपुर में एक विशाल चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए कांग्रेस सरकार पर कड़ा प्रहार किया और आरोप लगाया कि जिस पार्टी की अपनी कोई गारंटी नहीं रह गई है, वह जनता को गुमराह करने के लिए फिर से झूठी गारंटियां बांट रही है। उन्होंने मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए कहा कि आज हिमाचल प्रदेश की स्थिति ऐसी हो गई है जैसे इसे कोई अपरिपक्व छात्र नेता चला रहा हो, जो विकास के बजाय समोसे खो जाने पर पुलिस जांच बिठाने और सोशल मीडिया पर लिखने वाले पत्रकारों व नेताओं पर एफआईआर करने में व्यस्त है। प्रदेश की कानून-व्यवस्था पर चिंता जताते हुए ठाकुर ने कहा कि पालमपुर जैसे शांत इलाके में दिनदहाड़े बस स्टैंड पर युवती पर

दराट से हमला होना और सरकाघाट में कॉलेज जा रही छात्रा का मर्डर जैसी घटनाएं यह दर्शाती हैं कि सरकार का प्रशासन पर कोई नियंत्रण नहीं है। उन्होंने पालमपुर कृषि विश्वविद्यालय की 114 हेक्टेयर जमीन को पर्यटन के नाम पर अपने मित्रों को बेचने के फैसले को प्रदेश के बच्चों के भविष्य के साथ खिलवाड़ बताया और कहा कि जिस पालमपुर की धरती से राम मंदिर निर्माण का ऐतिहासिक प्रस्ताव पारित हुआ था, उसी पवित्र स्थान से कांग्रेस ने हिमाचल ऑन सेल की शुरुआत कर दी है, जिसे भाजपा ने सुप्रीम कोर्ट तक लड़कर रुकवाया। जयराम ठाकुर ने मुख्यमंत्री सुक्खू की तुलना राहुल गांधी से करते हुए तंज कसा कि दोनों जहां भी प्रचार करने जाते हैं, वहां कांग्रेस का सफाया निश्चित हो जाता है।

उन्होंने जनता को याद दिलाया कि कांग्रेस ने ग्रामीण इलाकों को नगर निगम से बाहर करने और 10 वर्षों तक कोई नया टैक्स न लगाने का वादा किया था, लेकिन साढ़े तीन साल बीत जाने के बाद भी न तो क्षेत्र बाहर किए गए और न ही जनता को टैक्स से राहत मिली, बल्कि नए टैक्स थोपे जा रहे हैं।

जयराम ठाकुर ने स्पष्ट किया कि उनकी सरकार आने पर जनभावनाओं का सम्मान करते हुए ग्रामीण इलाकों को उनकी इच्छा के अनुसार निगम से बाहर रखा जाएगा और शहरों में बुनियादी सुविधाओं का विस्तार किया जाएगा। उन्होंने पालमपुर के स्थानीय विधायक पर निशाना साधते हुए कहा कि 15 वर्षों से शहर का विकास ठप पड़ा है और केंद्र सरकार द्वारा स्वीकृत 127 करोड़ की सीवरेज योजना में भी बड़ा घोटाला किया गया है, जहां पाइप बिछाने से पहले ही चहेतों को फायदा पहुंचाने के लिए टाइलें लगा दी गईं और फिर उन्हें उखाड़ा गया। उन्होंने बेसहारा पशुओं, पार्किंग और अन्य मूलभूत सुविधाओं के अभाव के लिए कांग्रेस को जिम्मेदार ठहराया और दावा किया कि भाजपा पालमपुर के सर्वांगीण विकास के लिए कृतसंकल्प है। उन्होंने कांग्रेस पर पलटवार करते हुए कहा कि भाजपा दो सीटों से भी सरकार बनाने का सामर्थ्य रखती है और आने वाले समय में पालमपुर की जनता कांग्रेस को इसका करारा जवाब देगी। इस अवसर पर भाजपा प्रभारी श्रीकांत शर्मा, सांसद राजीव भारद्वाज, विधायक विपिन परमार और त्रिलोक कपूर सहित कई वरिष्ठ नेता उपस्थित रहे, जिन्होंने एकजुट होकर भाजपा की जीत का आह्वान किया।

प्रथम न्यूज
राष्ट्रीय हिंदी दैनिक
हरियाणा न्यूज
Website : www.prathamnews.in

संक्षिप्त न्यूज

हरियाणा नगर निकाय एवं पंचायती राज संस्थाओं के चुनाव शांतिपूर्ण सम्पन्न

चंडीगढ़(ब्यूरो)– हरियाणा राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा प्रदेश में आयोजित नगर निगम, नगर परिषद, नगर पालिका एवं पंचायती राज संस्थाओं के सामान्य तथा उप-चुनाव शांतिपूर्ण, निष्पक्ष एवं सुव्यवस्थित तरीके से सम्पन्न करवाए गए। राज्य निर्वाचन आयुक्त देवेंद्र सिंह कल्याण ने कहा कि आयोग द्वारा चुनाव प्रक्रिया की पारदर्शिता, निष्पक्षता एवं विश्वसनीयता सुनिश्चित करने के लिए सभी आवश्यक प्रबंध किए गए थे। राज्य निर्वाचन आयुक्त देवेंद्र सिंह कल्याण ने चुनाव प्रक्रिया के दौरान पंचकूला के विभिन्न मतदान केंद्रों का निरीक्षण भी किया तथा मतदान व्यवस्थाओं, सुरक्षा प्रबंधों एवं मतदाता सुविधाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि मतदान प्रक्रिया पूरी तरह निष्पक्ष, शांतिपूर्ण एवं पारदर्शी तरीके से सम्पन्न करवाई जाए तथा प्रत्येक मतदाता को बिना किसी असुविधा के अपने मताधिकार का प्रयोग करने की सुविधा सुनिश्चित की जाए।

उन्होंने बताया कि नगर निकाय चुनावों के अंतर्गत अंबाला, पंचकूला एवं सोनीपत नगर निगम, रेवाड़ी नगर परिषद, धारूहेड़ा, सांपला एवं उकलाना नगरपालिकाओं में चुनाव आयोजित किए गए। इसके अतिरिक्त प्रदेश के विभिन्न नगर निकाय क्षेत्रों में वार्डों के उप-चुनाव भी सफलतापूर्वक सम्पन्न करवाए गए। इसी प्रकार पंचायती राज संस्थाओं के अंतर्गत जिला परिषद, पंचायत समिति, सरपंच एवं पंच पदों के लिए विभिन्न जिलों में सामान्य एवं उप-चुनाव आयोजित किए गए। राज्य निर्वाचन आयुक्त ने कहा कि आयोग द्वारा चुनाव प्रक्रिया के प्रत्येक चरण की लगातार निगरानी की गई तथा जिला प्रशासन, पुलिस प्रशासन एवं संबंधित अधिकारियों के समन्वय से मतदान प्रक्रिया को सफलतापूर्वक सम्पन्न कराया गया। मतदान के दौरान सभी मतदान केंद्रों पर सुरक्षा, कानून व्यवस्था, मतदाताओं की सुविधा तथा चुनाव आचार संहिता के अनुपालन को लेकर विशेष प्रबंध किए गए थे।

सोमनाथ स्वाभिमान पर्व के अंतर्गत भव्य कलश यात्रा एवं भजन संध्या का आयोजन कल

चंडीगढ़, (पुनीत महाजन) – सोमनाथ स्वाभिमान पर्व के पावन अवसर पर दिनांक 11 मई 2026 को एक भव्य एवं दिव्य कलश यात्रा का आयोजन किया जा रहा है। इस आध्यात्मिक यात्रा में बड़ी संख्या में मातृशक्ति एवं श्रद्धालु भाग लेंगे। आयोजकों द्वारा सभी श्रद्धालुओं का हार्दिक स्वागत किया गया है।

यह पावन कलश यात्रा सायं 4ः00 बजे प्राचीन श्री खेड़ा शिव मंदिर, सेक्टर 28-ष्ट, चंडीगढ़ से शुभारंभ होकर श्री सनातन धर्म मंदिर, सेक्टर 27-ष्ट, चंडीगढ़ में संपन्न होगी। यात्रा के दौरान भक्तजन भक्ति गीतों, जयघोषों एवं धार्मिक उत्साह के साथ सनातन संस्कृति का संदेश देंगे।

इसके उपरांत सायं 5ः30 बजे मंदिर परिसर में भव्य भजन संध्या का आयोजन किया जाएगा, जिसमें श्रद्धालु भक्ति रस में सराबोर होकर भगवान शिव एवं प्रभु सोमनाथ की महिमा का गुणगान करेंगे।

आयोजकों ने विशेष रूप से सभी महिलाओं एवं मातृशक्ति से आग्रह किया है कि वे बढ़-चढ़कर भाग लें और इस धार्मिक एवं सांस्कृतिक महोत्सव को सफल बनाएं।

यह आयोजन सनातन संस्कृति, आस्था एवं स्वाभिमान को समर्पित है, जो समाज में धार्मिक चेतना एवं सांस्कृतिक एकता को मजबूत करने का कार्य करेगा।

चंडीगढ़ पुलिस की बड़ी सफलत : दो चोर गिरफ्तार, चोरी की ई-रिक्शा व अन्य सामान बरामद

चंडीगढ़, 10 मई 2026 (पुनीत महाजन) – यूटी चंडीगढ़ की वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक महिला (W/SSP/UT) कंवरदीप कौर, आईपीएस के निर्देशानुसार, के.एम. प्रियंका, W/SP/सिटी चंडीगढ़ के मार्गदर्शन तथा गुरजीत कौर, एसडीपीओ/साउथ की निगरानी में थाना सेक्टर-31, चंडीगढ़ की टीम ने असामाजिक तत्वों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत बड़ी सफलता हासिल करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। थाना सेक्टर-31 के प्रभारी इंस्पेक्टर हरिओम शर्मा के नेतृत्व में पुलिस टीम ने ई-रिक्शा चोरी के मामले में कार्रवाई करते हुए आरोपी देशराज उर्फ देसू पुत्र महारानी देन निवासी मकान नंबर 136, सुंदर नगर, मौली जागरण पार्ट-2, चंडीगढ़ उम्र 26 वर्ष तथा रवि कुमार उर्फ पप्पू पुत्र राम बाबू शर्मा निवासी मकान नंबर 1ष्ट, सुंदर नगर, मौली जागरण पार्ट-2, चंडीगढ़ उम्र 20 वर्ष को गिरफ्तार किया।

यह मामला ई-एफआईआर नंबर 0583 दिनांक 08.05.2026 धारा 303(2) बीएनएस तथा बाद में जोड़ी गई धारा 317(2) बीएनएस के तहत थाना सेक्टर-31, चंडीगढ़ में दर्ज किया गया था। शिकायतकर्ता अर्जुन पुत्र राजू निवासी स्1091, दीप कॉम्प्लेक्स, हल्लोमाजरा, चंडीगढ़ ने शिकायत दर्ज करवाई थी कि दिनांक 07.05.2026 को शाम लगभग 8ः00 बजे से 8ः30 बजे के बीच उसका ई-रिक्शा नंबर ष्ट॥01ञ्श्र1871 मंडी ग्राउंड, फेज-2, रामदरबार, चंडीगढ़ से चोरी हो गया।

जांच के दौरान पुलिस ने तत्परता से कार्रवाई करते हुए दोनों आरोपियों को 09.05.2026 को गिरफ्तार कर लिया। आरोपियों के कब्जे से अपराध में इस्तेमाल की गई एक महिंद्रा पिकअप गाड़ी, दो ई-रिक्शा तथा 10 बैटरियां बरामद की गई हैं। बरामद सामान को कब्जे में लेकर जब्त कर लिया गया है तथा आरोपियों को माननीय न्यायालय में पेश किया जा रहा है।

हरियाणा के हजारों NHM कर्मचारियों को बड़ी राहत

» प्रथम न्यूज । चंडीगढ़
10 मई (मुकेश डोलिया)

हरियाणा में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (NHM) के तहत कार्यरत हजारों कच्चे कर्मचारियों के लिए सरकार ने बड़ा फैसला लिया है। राज्य सरकार ने सभी एनएचएम कर्मियों को 'सर्विस बाय-लॉज' के दायरे में लाने को मंजूरी दे दी है। इस फैसले के बाद कर्मचारियों को सेवा सुरक्षा, नियमबद्ध कार्यप्रणाली और कई प्रशासनिक सुविधाओं का लाभ मिल सकेगा।

एनएचएम हरियाणा के मिशन निदेशक कार्यालय पंचकूला द्वारा जारी आदेश में प्रदेश के सभी सिविल सर्जनों को निर्देश दिए गए हैं कि वे इस फैसले का सख्ती से पालन सुनिश्चित करें। यह निर्णय पंजाब एंड हरियाणा हाई कोर्ट में चल रहे चर्चित मामले 'डॉ. नेहा बंसल बनाम हरियाणा राज्य' में 17 नवंबर 2025 को दिए गए आदेश के अनुपालन में लिया गया है।

पहले चर्चा थी कि सर्विस बाय-लॉज का लाभ केवल कोर्ट में याचिका दायर करने वाले कर्मचारियों तक सीमित रहेगा, लेकिन अब वित्त विभाग की मंजूरी के बाद इसे राज्य के सभी एनएचएम कर्मियों पर लागू कर दिया गया है।

लंबे समय से एनएचएम कर्मचारी संगठन इस मांग को उठा रहे थे। उनका कहना था कि समान कार्य करने वाले कर्मचारियों को समान सेवा नियम और सुरक्षा मिलनी चाहिए। केवल याचिकाकर्ताओं को लाभ देना बाकी कर्मचारियों के साथ अन्याय होता।

सरकार के इस फैसले से हजारों कर्मचारियों को राहत मिली है, जो लंबे समय से नौकरी की अनिश्चितता के बीच काम कर रहे थे। हालांकि आदेश में यह भी स्पष्ट किया गया है कि यह लाभ लंबित एलपीए (स्क्क) और अन्य कानूनी प्रक्रिया के अंतिम निर्णय के अधीन रहेगा।

इसके बावजूद कर्मचारियों और संगठनों ने इसे एक ऐतिहासिक और सकारात्मक कदम बताते हुए सरकार के फैसले का स्वागत किया है।

बॉलीवुड के सबसे छोटे आध्यात्मिक कलाकार की एंट्री से मचा उत्साह

18 महीने के भौमिक बंसल करेंगे फिल्म निर्जला से बड़े पर्दे पर डेब्यू, निभाएंगे राधा का दिव्य किरदार

पिहोवा ,10 मई (मुकेशी डोलिया) मल्टी-अवॉर्ड विनिंग अभिनेत्री, निर्माता और सामाजिक हस्ती नेहा बंसल के बेटे भौमिक बंसल अब देशभर के दर्शकों का दिल जीतने को तैयार

भारतीय मनोरंजन जगत इस समय एक बेहद भावुक और ऐतिहासिक पल का गवाह बन रहा है, क्योंकि केवल 18 महीने के भौमिक बंसल, प्रसिद्ध बॉलीवुड अभिनेत्री, निर्माता, निर्देशक, लेखिका, ऑथर और सोशल आइकॉन नेहा बंसल के बेटे, आगामी आध्यात्मिक पारिवारिक फिल्म निर्जला से अपने अभिनय करियर की शुरुआत करने जा रहे हैं।

यह फिल्म 4 सितंबर को देशभर के PVR सिनेमाघरों में रिलीज होगी, जबकि इसका भव्य प्रीमियर PVR कैथल, हरियाणा में आयोजित किया जाएगा। सबसे खास बात यह है कि इतनी छोटी उम्र में भौमिक बंसल फिल्म में राधा जी का दिव्य किरदार निभाते नजर आएंगे। यह फिल्म श्री कृष्ण जी के निर्जला एकादशी व्रत की भक्ति, आस्था और आध्यात्मिक शक्ति पर आधारित है। इस धार्मिक फिल्म के कुछ दृश्य कुरुक्षेत्र में फिल्माए गए। फिल्म निर्माता नरेंद्र शर्मा ने बताया की यह निर्जला फिल्म भगवान् कृष्ण की लीला पर आधारित है। सरस्वती ड्रीम लैंड बैनर बनाई जा रही यह फिल्म हरियाणवी भाषा में है। फिल्म रिलीज से पहले ही सेट से सामने आई भौमिक की तस्वीरें सोशल मीडिया और मनोरंजन जगत में तेजी से वायरल हो रही हैं।

हरियाणा के सभी 22 जिलों और 38 उपमंडलों में सफलतापूर्वक लोक अदालत आयोजित

4,25,746 मामलों का हुआ निपटारा, राज्य भर में 182 पीठों का किया गया था गठन

चंडीगढ़, 10 मई -(मुकेश डोलिया) पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय के न्यायाधीश एवं हरियाणा राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण (हालसा) के कार्यकारी अध्यक्ष न्यायमूर्ति श्री दीपक सिबल के नेतृत्व और मार्गदर्शन में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया गया। यह लोक अदालत हरियाणा के सभी 22 जिलों और 38 उपमंडलों में सफलतापूर्वक आयोजित की गई, जो कि सुलभ और शीघ्र न्याय तक पहुंच को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

9 मई को आयोजित राष्ट्रीय लोक अदालत में माता-पिता और बेटों के बीच एक उत्साहवर्धक समझौता हुआ। पंचकुला न्यायालय में वरिष्ठ नागरिकों ने अपने बेटों के खिलाफ बी0एन0एस0एस0 अधिनियम की धारा 144 के तहत भरण-पोषण याचिका दायर की थी। मामले की सुनवाई प्रधान न्यायाधीश, परिवार न्यायालय के समक्ष हुई। शान्तिपूर्ण कार्यवाही के दौरान, दोनों पक्षों को संवाद और आपसी समझ के माध्यम से अपने विवाद को सुलझाने का अवसर दिया गया। एक बेटे ने चिकित्सा खर्च सहित 11,000/-रुपये प्रतिमाह देने पर सहमति जताई, जबकि दूसरे बेटे ने याचिका दायर करने की तारीख से माता-पिता को 9,000/-रुपये प्रति माह देने पर सहमति व्यक्त की। लोक अदालत में हुए समझौते को देखते हुए, माता-पिता ने याचिका वापस ले ली। यह मामला इस बात का एक मार्मिक उदाहरण है कि कैसे राष्ट्रीय लोक अदालत न केवल कानूनी विवादों को शान्तिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण ढंग से सुलझाती है, बल्कि वरिष्ठ नागरिकों के लिए पारिवारिक सद्भाव, गरिमा और भावनात्मक समर्थन को बहाल करने में भी मदद करती है।

इसके अतिरिक्त, जिला न्यायपालिका और फरीदाबाद की स्थानीय बार एसोसिएशन के बीच हाल ही में उत्पन्न हुई तनावपूर्ण स्थिति का मामला भी राष्ट्रीय लोक अदालत में उठाया गया और बातचीत और सुलह के माध्यम से सौहार्दपूर्ण ढंग से सुलझा लिया गया।

अधिवक्ताओं ने घटना पर खेद व्यक्त किया और न्यायालय ने एक मामले में दर्ज अपनी पिछली टिप्पणियों को वापस ले लिया, जिससे जिला न्यायपालिका और बार के बीच सद्भाव और सौहार्दपूर्ण संबंध बहाल हो गए। न्यायमूर्ति श्री दीपक सिबल ने राज्य भर में राष्ट्रीय लोक अदालत के कामकाज की समीक्षा और निगरानी की और सभी लोक अदालत पीठों द्वारा वादी-हितैषी, कुशल और परिणमिक दृष्टिकोण सुनिश्चित करने पर ज़ोर दिया ताकि अधिकतम विवादों का आपसी सहमति और सुलह के माध्यम से समाधान हो सके।

मेयर सौरभ जोशी ने संस्कार केंद्र सेक्टर-15 में निवासियों संग मनाया मदर्स डे

» प्रथम न्यूज । चंडीगढ़
10 मई (पुनीत महाजन)

अरविंद मेहता मेमोरियल ट्रस्ट के तत्वावधान में आज सेक्टर-15 स्थित संस्कार केंद्र में मदर्स डे के उपलक्ष्य में एक भव्य एवं भावनात्मक कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें चंडीगढ़ के मेयर सौरभ जोशी मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए।

इस अवसर पर सेक्टर-15 के निवासियों, बच्चों एवं परिवारों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान मातृत्व को समर्पित रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियां, मनमोहक नृत्य एवं भावपूर्ण कविताओं ने उपस्थित लोगों का मन मोह लिया। पूरे आयोजन में प्रेम, सम्मान और कृतज्ञता का भाव देखने को मिला, जिसने परिवार और समाज में माताओं के महत्व को उजागर किया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मेयर सौरभ जोशी ने अरविंद मेहता मेमोरियल ट्रस्ट की सराहना की और कहा कि संस्था लगातार ऐसे सामाजिक

एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित कर रही है, जो समाज में आपसी भाईचारे, पारिवारिक मूल्यों और सांस्कृतिक परंपराओं को मजबूत करने का कार्य कर रहे हैं।

उन्होंने स्वर्गीय उषा मेहता एवं स्वर्गीय अरविंद मेहता को भी श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए समाज एवं जनकल्याण के प्रति उनके योगदान को याद किया।

मेयर ने कहा कि मां हर व्यक्ति के जीवन की सबसे मजबूत नींव होती है, जो अपने त्याग, प्रेम और संस्कारों से परिवार और समाज का निर्माण करती है। उन्होंने कहा कि माताओं का स्थान जीवन में सर्वोच्च है और हमें सदैव उनका सम्मान, आदर और देखभाल करनी चाहिए।

उन्होंने नागरिकों से आह्वान किया कि ऐसे सामुदायिक कार्यक्रमों के माध्यम से प्रेम, करुणा, संस्कृति और पारिवारिक मूल्यों को आगे बढ़ाया जाए, ताकि समाज में आपसी जुड़ाव और सौहार्द की भावना और अधिक मजबूत हो सके।

फोगाट को मिली सच सबके सामने रखने की सजा : सुरजेवाला

विनेश फोगाट पर WFI की कार्रवाई पर भड़के कांग्रेस नेता रणदीप सुरजेवाला

» प्रथम न्यूज । चंडीगढ़
10 मई (ब्यूरो)

भारतीय कुश्ती महासंघ (WFI) द्वारा पहलवान विनेश फोगाट को जारी किए गए शो-कॉज नोटिस और जून 2026 तक घरेलू प्रतियोगिताओं में भाग लेने से अयोग्य घोषित किए जाने के बाद राजनीतिक विवाद तेज हो गया है। कांग्रेस महासचिव रणदीप सुरजेवाला ने इस कार्रवाई को सीधे-सीधे बदले की राजनीति करार दिया है।

सुरजेवाला ने सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर करते हुए कहा कि यह कार्रवाई विनेश फोगाट द्वारा सच सबके सामने रखने की सजा है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा से जुड़े लोग और WFI हरियाणा की बेटी को निशाना बना रहे हैं।

उन्होंने लिखा, प्रतिशोध की अंधी आग में धधकते भाजपा के WFI और बृजभूषण शरण सिंह के गुर्गों को यह जानना होगा कि वे हरियाणा और देश की पहलवान बेटियों की आवाज दबा नहीं पाएंगे और न ही उनका हिमालय जैसा जज़्बा तोड़ पाएंगे। कांग्रेस नेता ने सवाल उठाते हुए कहा कि जब एक अंतरराष्ट्रीय स्तर की खिलाड़ी, ओलंपियन और विधायक विनेश फोगाट के साथ ऐसा व्यवहार हो सकता है, तो सामान्य खिलाड़ियों के साथ क्या होता होगा। उन्होंने भाजपा पर खेलों और खिलाड़ियों को राजनीति का शिकार बनाने का आरोप लगाया। सुरजेवाला ने हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा, अब मुख्यमंत्री की जुबान क्यों बंद है? वह हरियाणा की होनहार बेटी और विधायक के समर्थन में एक शब्द तक क्यों नहीं बोल पा रहे?

दरअसल, WFI ने शनिवार को विनेश फोगाट को अनुशासनहीनता और डोपिंग विरोधी नियमों के कथित उल्लंघन के आरोपों में शो-कॉज नोटिस जारी किया था। महासंघ के अनुसार, विनेश ने संन्यास से वापसी के लिए तय नियमों का पालन नहीं किया और एंटी-डोपिंग सिस्टम में निर्धारित अवधि तक उपलब्ध नहीं रहीं।

इसी आधार पर उन्हें जून 2026 तक घरेलू प्रतियोगिताओं में भाग लेने से अयोग्य घोषित किया गया है।

चंद्र शेखर आजाद ओपन ग्रुप दॉ हरियाणा राज्य भारत स्काउट्स एंड गाइड्स द्वारा प्रदेश स्तरीय नशा मुक्त जन जागरूकता चलाया अभियान

कुरुक्षेत्र, 10 मई (बृज मोहन) ग्रुप के लीडर सागर सज्जन सिंह व ग्रुप कोऑर्डिनेटर लक्ष्मण कुमार ने कहा कि यह प्रदेश स्तरीय नशा मुक्त अभियान मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के मार्गदर्शन में चलाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इस अभियान में युवा, महिला, पुरुष, बुजुर्ग, गांव और शहरों को शामिल होकर अपने परिवार, गांव, वार्ड, शहर सहित पूरे हरियाणा को नशा मुक्ति बनाना है। हमें अपनी अगली पीढ़ी के लिए अच्छा, स्वच्छ और नशामुक्ति माहौल सौंपना है।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने 17 मार्च 2026 को जन जागरूकता नशा मुक्त संदेश पत्र पर हस्ताक्षर कर विमोचन एवं जन जागरूकता अभियान को हरी झंडी देकर रवाना किया था। अहम पहलू यह है कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी नॉन स्टॉप हरियाणा, स्वच्छ हरियाणा, स्वस्थ हरियाणा, नशा मुक्त हरियाणा, शिक्षित हरियाणा, विकसित हरियाणा अभियान की अध्यक्षता कर रहे है। उन्होंने कहा कि नशा प्रदेश के लिए एक गंभीर समस्या बन चुका है। नशे की वजह से युवाओं का भविष्य प्रभावित हो रहा है। हम सभी को नशा मुक्त समाज की दिशा में कदम बढ़ाना चाहिए।

यदि हमारे आस-पास कोई व्यक्ति नशे की लत से जूझ रहा है, तो हमें उसे नजरअंदाज नहीं करना चाहिए, बल्कि उसे सही मार्ग पर लाने में मदद करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि हरियाणा पुलिस नशा करने वालों का नशा छुड़ाने के लिए आगे आ रही है।

इस प्रदेश स्तरीय के नोडल अधिकारी सह ग्रुप लीडर अमित कुमार, डिप्टी नोडल अधिकारी नितेश कुमार व डिप्टी नोडल अधिकारी हिमांशु भाटी, सुनील वर्मा एवं पुनीत, विजय आहिरवार,कैप्टन पुष्पा देवी की देखरेख में चल रहा है। इस नशा मुक्त जन जागरूकता अभियान में शामिल विवेक, राहुल बैंड मास्टर विजय, पार्थ, माहिर, रिंकू, अमन आदि उपस्थित थे।

खरीद एजेंसियों ने अब तक खरीदी 210490 मीट्रिक टन गेहूं : विश्राम कुमार मीणा

» प्रथम न्यूज । कुरुक्षेत्र
10 मई (बृज मोहन)

उपायुक्त मीणा ने कहा कि कुरुक्षेत्र के खरीद केन्द्रों व मंडियों में गेहूं की खरीद का कार्य खाद्य आपूर्ति, हैफेड तथा हरियाणा वेयर हाउस एजेंसी द्वारा शुरू कर दिया गया है। इन तीनों एजेंसियों ने 210490 मीट्रिक टन गेहूं की खरीद का कार्य पूरा कर लिया है। इस सीजन में गेहूं का 2585 रुपए प्रति क्विंटल न्यूनतम समर्थन मूल्य दिया जा रहा है। अहम पहलू यह है कि जिले में 41591 एमटी गेहूं का उठान कार्य पूरा किया गया है।

उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने कहा कि कुरुक्षेत्र में गेहूं की खरीद करने के लिए 25 खरीद केन्द्र व मंडिया स्थापित की गई है। इन मंडियों से खाद्य आपूर्ति, हैफेड, एफसीआई और हरियाणा वेयर हाउस कार्पोरेशन की तरफ गेहूं की खरीद का कार्य किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि खाद्य आपूर्ति विभाग की रिपोर्ट के अनुसार इस सीजन में खाद्य आपूर्ति एजेंसी द्वारा अमीन में 708 एमटी, बाबैन मंडी में 11940 एमटी, भौर सैदां में 2244 एमटी, गुमथला गढ़ू में 9079 एमटी, ईश्हाक में 2206 एमटी, इस्माइलाबाद मंडी में 17083 एमटी, झांसा मंडी में 3466 एमटी, कराह साहब में 4037 एमटी, थानेसर मंडी में 26581 एमटी, लाडवा मंडी से 21590 एमटी, नलवी में 204 एमटी, नीमवाला में 2601 एमटी, पिहोवा मंडी में 14509 एमटी, पिहोवा एक्सटेंशन मंडी में 5106 एमटी, पिपली मंडी से 5272 एमटी, शाहबाद से 13416 एमटी, थाना में 1344

एमटी, ठोल मंडी से 6012 एमटी गेहूं खरीद गया है।

उन्होंने कहा कि हैफेड द्वारा अजराना कला में 1724 एमटी, बोधनी मंडी में 1451 एमटी, चढुनी जाटान मंडी में 1248 एमटी गेहूं, इस्माईलाबाद मंडी से 8012 एमटी, झांसा मंडी में 80 एमटी, किरमच में 817 एमटी, थानेसर 11016, लाडवा मंडी में 3420 एमटी, लुखी में 1905 एमटी, मलिक पुर में 2576 एमटी, पिहोवा मंडी में 9839 एमटी गेहूं, पिहोवा एक्टेंशन मंडी में 4536 एमटी गेहूं, पिपली मंडी में 4777 एमटी गेहूं, शाहबाद मंडी में 7881 एमटी गेहूं खरीद कार्य पूरा किया गया है।

इसी तरह हरियाणा वेयर हाउस द्वारा बारना में 880 एमटी, बोधनी में 879 एमटी, ठोल में 2053 एमटी गेहूं खरीद कार्य को पूरा किया गया है। उन्होंने कहा कि इस सीजन में अधिकारियों को विशेष हिदायत दी गई है कि उठान कार्य पर विशेष फोकस रखा जाए ताकि व्यापारियों और किसानों को किसी प्रकार की कोई दिक्कत ना आए। उन्होंने कहा कि मंडी परिसर में किसानों की सुविधा के लिए पर्याप्त बिजली, पानी, सफाई व्यवस्था व अन्य मूलभूत सुविधाओं का ध्यान रखने के आदेश सम्बंधित अधिकारियों को दिए है।

उन्होंने कहा कि प्रशासन द्वारा किसानों की फसल का एक-एक दाना खरीदने के लिए व्यवस्था और प्रबंध सुनिश्चित किए गए हैं। ऐसे में किसान सहभागी बनते हुए खरीद कार्य में अपना योगदान दें। उन्होंने किसानों से अपील करते हुए कहा कि वे अपनी गेहूं की फसल को अच्छी तरह से सुखाकर एवं साफ करके मंडी में लाएं।

आज का संपादकीय

अटूट आस्था का शाश्वत प्रतीक सोमनाथ : सीएम योगी आदित्यनाथ

भारत केवल एक भूभाग नहीं, अपितु हजारों वर्षों की सभ्यता, सांस्कृतिक चेतना और आध्यात्मिक परंपरा का जीवंत राष्ट्र है। भारतीय दर्शन कहता है कि आत्मा अजर-अमर है, वह केवल रूप बदलता है। इसी प्रकार भारत की सनातन संस्कृति और उसकी आस्था भी अनश्वर है। इतिहास साक्षी है कि इस चेतना को मिटाने के अनेक प्रयास हुए, किंतु न इसे झुकाया जा सका, न समाप्त किया जा सका।

सौराष्ट्र में समुद्र तट पर अवस्थित श्री सोमनाथ मंदिर उसी अमर राष्ट्रीय चेतना और सांस्कृतिक राष्ट्रवाद का तेजस्वी प्रतीक है। विगत एक हजार वर्षों का कालखंड इसका प्रमाण है कि विदेशी आक्रांताओं की घृणा, कट्टरता और विध्वंस की नीति के आगे हमारी आस्था, साहस और सृजनशीलता हर क्षण अडिग रही। आज जब भारतवर्ष 20वीं शताब्दी में पुनर्निर्मित सोमनाथ मंदिर के लोकार्पण की 75वीं वर्षगांठ मना रहा है, तब यह केवल एक ऐतिहासिक घटना का स्मरण मात्र नहीं, अपितु भारत के आत्मा, उसकी आस्था और उसके स्वाभिमान को पुनः अनुभव करने का पावन अवसर भी है।

द्वादश ज्योतिर्लिंगों में प्रथम श्री सोमनाथ ने शताब्दियों के असंख्य आक्रमण और विध्वंस देखे, किंतु हर बार वह और अधिक गौरव एवं तेज के साथ पुनः स्थापित हुआ। महमूद गजनवी से लेकर औरंगजेब तक अनेक आक्रांताओं ने इसे मिटाने का प्रयास किया, पर वे स्वयं इतिहास में विलीन हो गए और सोमनाथ मंदिर अडिग खड़ा है। स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात भी जब देश विभाजन की पीड़ा, विस्थापन और अनिश्चितताओं से गुजर रहा था, तब हर भारतवासी यह अनुभव कर रहा था कि केवल राजनीतिक स्वतंत्रता पर्याप्त नहीं है, भारत को सांस्कृतिक स्वाधीनता का भी पुनर्स्थापन करना होगा।

ऐसे समय में लौहपुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल ने सोमनाथ के पुनर्निर्माण का संकल्प लिया। यह केवल एक मंदिर का पुनरुद्धार नहीं, स्वतंत्र भारत के सांस्कृतिक स्वाभिमान की पुनर्प्रतिष्ठा का संकल्प था। सरदार पटेल जानते थे कि यदि राष्ट्र को आत्मबल के साथ आगे बढ़ना है, तो उसे अपनी सांस्कृतिक चेतना और ऐतिहासिक गौरव से जुड़ना ही होगा। सोमनाथ का पुनर्निर्माण एक उद्घोष था कि स्वतंत्र भारत जड़ों से कटकर नहीं, बल्कि अपनी परंपराओं के साथ आगे बढ़ेगा। हालांकि सरदार पटेल अपने उस स्वप्न को साकार होते नहीं देखे सके, पर प्रथम राष्ट्रपति डा. राजेंद्र प्रसाद तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू की अनिच्छा के बावजूद सोमनाथ मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम में शामिल हुए थे। डा. राजेंद्र प्रसाद का यह निर्णय इसकी उद्घोषणा था कि भारत के सांस्कृतिक आत्मा को किसी वैचारिक आग्रह से दबाया नहीं जा सकता।

आज, अमृतकाल के कालखंड में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में भारत 'स्व' से साक्षात्कार कर रहा है। यह सांस्कृतिक पुनर्जागरण का ही कालखंड है। जो कार्य स्वतंत्र भारत में सरदार पटेल और डा. राजेंद्र प्रसाद जी ने प्रारंभ किया था, वही चेतना आज मोदी जी के नेतृत्व में नए आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ती दिखाई देती है। अयोध्या में श्रीरामजन्मभूमि पर भव्य मंदिर निर्माण भी पांच शताब्दियों के संघर्ष, धैर्य और सांस्कृतिक स्वाभिमान की ऐतिहासिक परिणति है। कभी जिन आक्रांताओं ने श्रीरामजन्मभूमि को अपमानित कर भारत की आस्था पर प्रहार किया था, आज उनका नाम इतिहास के अंधकार में खो चुका है, किंतु प्रभु श्रीराम का भव्य मंदिर पूरे वैभव के साथ खड़ा है।

इसी क्रम में श्रीकाशी विश्वनाथ धाम का पुनर्विकास काशी की जीवंतता और भारत की सनातन चेतना के पुनरुत्थान का प्रतीक है। आज वैश्विक स्तर पर भी भारत की इस सांस्कृतिक चेतना को नई स्वीकृति प्राप्त हो रही है। योग, आयुर्वेद, भारतीय दर्शन, अध्यात्म और सनातन जीवनदृष्टि के प्रति विश्व का आकर्षण निरंतर बढ़ रहा है। यह केवल सांस्कृतिक प्रभाव नहीं है, यह भारत की उस शाश्वत दृष्टि की स्वीकृति है, जो मानवता को संतुलन, सहअस्तित्व और समरसता का मार्ग दिखाती है। प्रधानमंत्री मोदी जी के नेतृत्व में 'नया भारत' आज 'सोमनाथ स्वाभिमान पर्व' के रूप में सनातन आस्था के सांस्कृतिक गौरव का उत्सव मना रहा है और गजनी जैसे आततायियों के विध्वंस पर उल्लास, सृजन और वैभव का नव-अंकुर प्रस्फुटित हो रहा है। सोमनाथ का पुनर्निर्माण इसी व्यापक सांस्कृतिक विमर्श का महत्वपूर्ण आधार है। यह हमें स्मरण कराता है कि कोई भी राष्ट्र केवल आर्थिक शक्ति से महान नहीं बनता। उसकी वास्तविक शक्ति उसकी सांस्कृतिक चेतना, उसके ऐतिहासिक आत्मविश्वास और उसकी सभ्यतागत निरंतरता में निहित होती है।

जिन राष्ट्रों ने अपनी जड़ों को भुला दिया, वे इतिहास में धीरे-धीरे कमजोर पड़ गए, किंतु भारत ने हर युग में अपने आत्मा को सुरक्षित रखा। आज जब हम पुनर्निर्मित सोमनाथ मंदिर के लोकार्पण की 75वीं वर्षगांठ मना रहे हैं, तब यह अवसर नई पीढ़ी को भारत के वास्तविक स्वरूप से परिचित कराने का भी है। यह पीढ़ी भारत की सांस्कृतिक विरासत की उत्तराधिकारी भी है। उसे यह समझना होगा कि भारत का उत्थान केवल आर्थिक प्रगति से संभव नहीं है। भारत तब पूर्ण रूप से विकसित और शक्तिशाली बनेगा, जब वह अपने आत्मा से जुड़कर आगे बढ़ेगा। श्री सोमनाथ मंदिर हमें यह भी स्मरण कराता है कि पुनर्निर्माण केवल भौतिक नहीं होता, वह मानसिक और राष्ट्रीय भी होता है। जब कोई समाज अपने टूटे हुए प्रतीकों को पुनः स्थापित करता है, तब वह केवल भवन नहीं बनाता, बल्कि अपने आत्मविश्वास को पुनर्जीवित करता है। पुनर्निर्मित सोमनाथ मंदिर की 75वीं वर्षगांठ हमें यही प्रेरणा देती है कि राष्ट्र का स्वाभिमान उसकी सांस्कृतिक चेतना से जुड़ा होता है। यदि संस्कृति सुरक्षित है, तो राष्ट्र का भविष्य भी सुरक्षित है। आइए, इस अवसर पर हम सब यह संकल्प लें कि भारत की महान सांस्कृतिक परंपरा, आध्यात्मिक विरासत और राष्ट्रीय मूल्यों को और अधिक सशक्त बनाएंगे।

जिंदगी की जंग हार गया मासूम तनिष्क?

नरेन्द्र भारती
वरिष्ठ पत्रकार

जिंदगी की जंग हार गया तनिष्क संजौली में हादसा हुआ था ईंट काल बन गईं और एक जिंदगी लील गईं द्य एक पल, एक ईंट, एक जिंदगी, चिराग चिरनिंद्रा में सो गया यह एक बहुत बड़ी त्रासदी है द्य समाज को ऐसे मामलो पर मंथन करना चाहिए ताकि फिर कोई ईंट की बलि न चढ़े द्य ऐसे हादसों की पुनरावृति रोकनी होगी द्यनिर्माणाधीन इमारत से गिरी एक ईंट ।बस इतना ही ।उसी एक पल में 11 साल का तनिष्क गिर गया ।स्कूल यूनिफॉर्म में मुस्कुराता हुआ बच्चा, 11 दिन तक अस्पताल के बेड पर मौत से जूझता रहा ।दवाइयाँ, पाइप, मशीनें, डॉक्टरों की कोशिशें – सब साथ थीं।

पर अंत में तनिष्क जिंदगी की जंग हार गया ।तनिष्क ने 11 दिन तक असहनीय दर्द झेला ।हर सांस के साथ उसकी पीड़ा बढ़ती गई ।उसके माँ-बाप ने हर पल उम्मीद रखी कि बेटा ठीक हो जाएगा।

पर सिर पर गिरी वो ईंट सिर्फ शरीर को नहीं, पूरे घर को तोड़ गई।

तनिष्क की आँखों में किताबें थीं, दोस्त थे, भविष्य था ।सब एक पल में मिट गया।

उसके लिए अस्पताल का बेड ही दुनिया बन गया ।और उस दुनिया में सिर्फ दर्द था. सुरक्षा का अभाव, लापरवाही का नतीजा तनिष्क की मौत हादसा नहीं थी।

निर्माण साइट पर न बैरिकेड था, न जाली, न चेतावनी का बोर्ड ।जिस रास्ते से बच्चे गुजरते थे, वहाँ सुरक्षा का कोई इंतजाम नहीं किया गया ।ठेकेदार के लिए ये सिर्फ एक और निर्माण साइट थी प्रशासन के लिए ये सिर्फ एक और फाइल थी।

पर तनिष्क के लिए ये उसकी जिंदगी का आखिरी रास्ता बन गया ।जब ईंट गिरी, तब पुलिस की टेप और कैमरे आ गए।

तब तक तनिष्क बेड पर जंग लड़ रहा था।. एक घर उजड़ गया तनिष्क के जाने के बाद अब उसके घर में सन्नाटा है ।जो कमरा किताबों से भरा होना था, वहाँ अब खामोशी है ।जो आँगन दोस्तों की आवाज़ से गूँजना था, वहाँ अब सिर्फ यादें हैं।

माँ-बाप की उम्मीदें, भाई-बहनों के सपने, सब एक ईंट के नीचे दब गए ।तनिष्क ने 11 दिन तक जंग लड़ी, पर सिस्टम की लापरवाही के सामने वो अकेला पड़ गया।. सवाल जो रह गया तनिष्क अब दर्द से मुक्त है ।पर उसके जाने के बाद एक सवाल हम सबके लिए रह गया है। क्या एक बच्चे की सुरक्षा इतनी मुश्किल है?क्या एक ईंट से ज्यादा कीमत निर्माण की नहीं है?क्या हम तब तक जागेंगे नहीं जब तक अगली ईंट किसी और के सिर पर न गिरे?तनिष्क की मौत हमें याद दिलाती है कि विकास का मतलब सिर्फ ऊँची इमारतें नहीं हैं ।विकास का मतलब है उन इमारतों के नीचे सुरक्षित चलने वाला एक बच्चा।. तनिष्क को श्रद्धांजलि *जिंदगी की जंग हार गया मासूम तनिष्क ।उसकी जंग व्यर्थ न हो, इसके लिए हमें जागना होगा।

अगर अगली बार सुरक्षा पुख्ता हो, निर्माण साइट पर नियमों का पालन हो, तो शायद कोई और तनिष्क न हारे।

तनिष्क की अनंत यात्रा हमें एक जिम्मेदारी दे गई है।

अब ये हम पर है कि हम उस जिम्मेदारी को निभाते हैं या फिर चुप रहकर अगली ईंट का इंतजार करते हैं।

भारतीय राजनीति का बदलता चेहरा

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के परिणामों ने इस बार केवल सत्ता का गणित नहीं बदला, बल्कि लोकतंत्र के अर्थ को भी एक नई सामाजिक व्याख्या दी है। आसग्राम से कलिता माझी, हिंगलगंज से रेखा पात्रा और पनिहाटी से रत्ना देवनाथ जैसी महिलाओं की जीत केवल चुनावी सफलता नहीं है।

यहां एक घरेलू सहायिका है, एक श्रमिक और वंचित वर्ग से आई महिला है तो एक ऐसी मां भी है जिसने अपनी निजी पीड़ा और सामाजिक अपमान को अपनी शक्ति और दृढ़निश्चय में बदल दिया। इन महिलाओं की उपस्थिति भारतीय राजनीति के उस बदले हुए चेहरे को सामने लाती है, जहां पहली बार हाशिए पर खड़ी दिखाई देने वाली स्त्रियां सत्ता और प्रतिनिधित्व के केंद्र में दिखाई देने लगी हैं।

इन महिलाओं की जीत को यदि हम मात्र चुनावी परिणाम के रूप में देखेंगे तो यह हमारी सामाजिक दृष्टि की असफलता होगी। चुनावी आंकड़ों और राजनीतिक विमर्शों से परे इन महिलाओं की जीत नारी सशक्तीकरण का हस्ताक्षर है। यही वह नारी सशक्तीकरण है, जिसका आह्वान स्वतंत्रता के बाद से लगातार किया जाता रहा है और जिसकी चर्चा बौद्धिक तथा वैचारिक वर्ग वर्षों से करता आया है।

कलिता माझी, रेखा पात्रा और रत्ना देवनाथ जैसी महिलाओं की जीत के साथ स्वाभाविक अपेक्षा यह थी कि भारत में नारीवादी विचारधारा के समर्थक और उसके मुखर प्रवर्तक खुलकर इनके साथ खड़े दिखाई देंगे। यह अपेक्षा इसलिए भी थी, क्योंकि वर्षों से स्त्री-प्रतिनिधित्व, राजनीतिक भागीदारी और नेतृत्वकारी उपस्थिति को लेकर निरंतर आवाज उठाई जाती रही है। किंतु आश्चर्य यह है कि तमाम डिजिटल मीडिया मंचों से लेकर वैचारिक और बौद्धिक विमर्शों तक एक विचित्र-सी चुप्पी दिखाई देती है।

वे स्वर, जो सामान्यतः स्त्री-अधिकारों और महिला नेतृत्व के प्रश्न पर अत्यंत मुखर दिखाई देते हैं, आज कहीं खो से गए हैं। नारीवादी चिंतक नैंसी फ्रेजर अपने चर्चित निबंध फ्राम रीडिस्ट्रिब्यूशन टू रिकग्निशन? में इस बात पर गंभीर प्रश्न उठाती हैं कि यदि नारीवाद केवल कुछ सफल और विशेषाधिकार प्राप्त महिलाओं की उपलब्धियों तक सीमित रह जाए तो वह समाज की वास्तविक असमानताओं को नहीं बदल सकता।

शायद यही कारण है कि जब साधारण और संघर्षपूर्ण जीवन से निकली महिलाएं राजनीति और सार्वजनिक नेतृत्व तक पहुंचती हैं तो समाज उन्हें उतनी सहजता से स्वीकार नहीं कर पाता, जितनी सहजता से प्रभावशाली और संपन्न पृष्ठभूमि से आने वाली महिलाओं को स्वीकार करता है।

बेल हुक्स ने अपनी पुस्तक फेमिनिस्ट थ्योरी – फ्राम मार्जिन टू सेंटर में लिखा है कि मुख्यधारा का नारीवादी विमर्श लंबे समय तक मुख्यतः विशेषाधिकार प्राप्त महिलाओं के अनुभवों के इर्द-गिर्द केंद्रित रहा।

शायद यही कारण है कि श्रम, अभाव और संघर्ष से निकली महिलाओं को वह सहज स्वीकार्यता, प्रशंसा और मान्यता नहीं मिल पाती, जो प्रभावशाली और संपन्न पृष्ठभूमि से आने वाली महिलाओं को अपेक्षाकृत आसानी से प्राप्त हो जाती है।

भारत की कोई भी राजनीतिक विचारधारा अथवा दल जब दलित, वंचित और संघर्षशील महिलाओं को मुख्यधारा की राजनीति तक पहुंचाने का अवसर देता है, तब सबसे पहले उन महिलाओं के साहस और संघर्ष को सम्मान मिलना चाहिए। उन्हें केवल किसी राजनीतिक दल के चश्मे से देखकर मौन हो जाना शायद उस व्यापक सामाजिक उद्देश्य को सीमित कर देना है, जिसकी बात दशकों से की जाती रही है।

नारीवाद का उद्देश्य केवल स्त्रियों को प्रतिनिधित्व दिलाना नहीं, बल्कि लैंगिक शोषण और दमन की संरचनाओं को समाप्त करना है। स्त्री संघर्ष को केवल वैचारिक विमर्शों तक सीमित करके नहीं देखा जा सकता, उसे उन महिलाओं के जीवनानुभवों, वर्गीय संघर्षों और सामाजिक यथार्थ के साथ भी जोड़कर समझना होगा, जो हाशिए से निकलकर नेतृत्व तक पहुंचती हैं। तब उसका प्रभाव केवल निजी उपलब्धि तक सीमित नहीं रहता। यह स्थिति समाज की लोकतांत्रिक कल्पना, स्त्री आकांक्षाओं और प्रतिनिधित्व की पारंपरिक सीमाओं को भी बदलती है।

विडंबना यह है कि स्त्री-प्रतिनिधित्व और महिला नेतृत्व की चर्चा करने वाले समाजों में भी, जब अत्यंत साधारण, श्रमिक या सामाजिक रूप से उपेक्षित पृष्ठभूमि की महिलाएं राजनीति में पहुंचती हैं तो उनकी उपस्थिति को लेकर एक सूक्ष्म असहजता दिखाई देने लगती है। समस्या केवल स्त्री के राजनीति में आने की नहीं होती, बल्कि इस बात की भी होती है कि वह किस वर्ग और किस सामाजिक पृष्ठभूमि से आई है। समय आ गया है कि स्वयं को नारीवाद का समर्थक कहने वाला प्रत्येक व्यक्ति अपने भीतर झांककर यह प्रश्न पूछे कि क्या वह कहीं चयनात्मक नारीवाद का शिकार तो नहीं।

क्या वह वास्तव में हर उस महिला के साथ खड़ा है, जो वंचना, श्रम और सामाजिक उपेक्षा से निकलकर नेतृत्व तक पहुंचती है या फिर उसका समर्थन केवल उन महिलाओं तक सीमित रह जाता है, जिनसे वह वैचारिक या सामाजिक रूप से सहज महसूस करता है। यदि स्त्री संघर्ष और महिला नेतृत्व को भी पसंद-नापसंद तथा वैचारिक सुविधा के आधार पर स्वीकार किया जाएगा तो वह नारीवाद नहीं, बल्कि चयनात्मक नारीवाद बनकर रह जाएगा।

प्यासा विकास और मौन होती सभ्यता

झारखंड में इन दिनों पानी की जो भयावह स्थिति सामने आ रही है, वह केवल एक राज्य की समस्या नहीं बल्कि पूरे देश के विकास मॉडल पर उठता हुआ एक बड़ा प्रश्न है।

हम 21वीं सदी में होने का गर्व करते हैं। आकाश छूने, मंगल ग्रह पर जाने और तकनीकी विकास की बातें करते हैं, लेकिन आज भी हमारे ही देश में ऐसे लोग हैं जिन्हें पीने के लिए साफ पानी तक नसीब नहीं हो रहा। कहीं लोग मटमैला पानी पीने को मजबूर हैं, कहीं महिलाएँ और बच्चे कई किलोमीटर दूर से पानी ढो रहे हैं।

यह कैसी विडंबना है कि एक ओर समाज का एक वर्ग विदेशों से पानी मंगवाकर पीता है और दूसरी ओर गरीब तबका एक बूंद साफ पानी के लिए संघर्ष करता है।

यदि किसी देश में पानी जैसी मूलभूत आवश्यकता भी पूरी न हो पा रही हो, तो विकास के बड़े-बड़े दावे आखिर किस काम के हैं? आज हमारी नदियाँ – गंगा, यमुना और अनेक छोटी-बड़ी नदियाँ – प्रदूषण से कराह रही हैं। उनमें फैक्ट्रियों का कचरा, प्लास्टिक, गंदगी और मल-मूत्र तक बहाया जा रहा है। सबसे दुखद बात यह है कि जिन्हें हम माँ कहकर पूजते हैं, उन्हीं नदियों के प्रति हमारा व्यवहार सबसे अधिक लापरवाह हो चुका है।

धर्म, संस्कार और सभ्यता की बातें तो बहुत होती हैं, लेकिन प्रकृति और जल संरक्षण को लेकर वही गंभीरता दिखाई नहीं देती।

हम अपनी संस्कृति पर गर्व करते हैं, परंतु सभ्यता केवल ऊँची इमारतों और आधुनिक साधनों से नहीं बनती।

सभ्यता का असली अर्थ है – संवेदनशीलता। यदि हमारे आसपास लोग प्यासे हों और हम केवल विकास के आँकड़ों में उलझे रहें, तो यह प्रगति अधूरी है। सोचने वाली बात यह भी है कि जिन धर्मगुरुओं, कथा-वाचकों और संतों के पीछे लाखों लोग चलते हैं, क्या उनकी एक आवाज समाज को जल संरक्षण के लिए प्रेरित नहीं कर सकती?

यदि धार्मिक मंचों से नदियों को बचाने, जल संरक्षण करने और प्रकृति को सुरक्षित रखने का संदेश दिया जाए, तो शायद समाज में बड़ा परिवर्तन आ सकता है।

जिस देश में लोग धर्म के नाम पर तुरंत प्रेरित हो जाते हैं, वहाँ प्रकृति की रक्षा भी एक जन आंदोलन बन सकती है।

समस्या संसाधनों की कमी से अधिक संवेदनाओं की कमी की लगती है। हम विकास की दौड़ में प्रकृति से दूर होते चले गए। पेड़ कटते गए, तालाब खत्म होते गए और नदियाँ प्रदूषित होती गईं। आज वही प्रकृति हमें चेतावनी दे रही है।

जरूरत केवल योजनाओं की नहीं, बल्कि जागरूकता और जिम्मेदारी की है। जब तक पानी को केवल उपयोग की वस्तु समझा जाएगा, तब तक संकट बढ़ता रहेगा। जिस दिन पानी को जीवन समझ लिया जाएगा, उसी दिन सही अर्थों में विकास की शुरुआत होगी।

जल ही जीवन मूल है, जल से जग की शान।
सूखी नदियाँ पूछतीं, कहाँ गया इंसान॥
सभ्यता के शोर में, मौन हुई पहचान।
धरती प्यासी रो रही, सुन ले अब इंसान॥

कनुप्रिया
(नूरपुर, हिमाचल प्रदेश)

विद्यार्थियों में बढ़ती अनुशासनहीनता और गिरते सामाजिक- नैतिक मूल्य

जीवन मूल्य गिर रहे हैं आज
बच्चों में नहीं पनप रहे संस्कार ।।

विद्यार्थियों में अनुशासनहीनता और नैतिक-सामाजिक मूल्यों में गिरावट के मुख्य कारणों में पारिवारिक मार्गदर्शन की कमी, तकनीक का अत्यधिक उपयोग, दोषपूर्ण शिक्षा प्रणाली, और नकारात्मक सामाजिक माहौल शामिल हैं। इसके निवारण के लिए परिवार में संवाद, स्कूलों में नैतिक शिक्षा, शिक्षक-अभिभावक सहयोग और सकारात्मक माहौल का निर्माण आवश्यक है।

आज विद्यार्थियों में गिरते मूल्यों का एक मुख्य कारण उनके स्वयं के अभिभावक और उनका अपने बच्चों के प्रति स्नेह है । ऐसा इसलिए है क्योंकि आज समाज में संयुक्त परिवारों के स्थान पर एकल परिवारों की परंपरा है जिसमें एक या दो बच्चे हैं । परिवार में बड़े बूढ़ों का साथ में न होना और माता - पिता का कामकाजी होना बच्चों में घटते नैतिक मूल्यों का कारण हैं क्योंकि संस्कारों की प्राप्ति का प्रथम स्थान घर होता है । बच्चे में संस्कार, आचार - विचार, व्यवहार सभी का बीजारोपण परिवार से ही होता है । मगर आज परिस्थितियां बिलकुल विपरीत हैं बच्चों को वह सब कुछ प्राप्त नहीं है जो तीन चार दशक पूर्व हुआ करता था । ऐसा इसलिए क्योंकि माता - पिता दोनों कामकाजी होने के कारण बच्चों पर अधिक ध्यान नहीं दे पाते । दादा - दादी जिनकी छत्र - छाया में बच्चे पलते थे ऐसा वातावरण एकल परिवार होने के कारण नहीं मिल पाता । इसीलिए वर्तमान में विद्यालयों एवं शिक्षकों पर पढ़ाई के साथ - साथ उन सभी मूल्यों को प्रदान करने का कार्य भी आ गया है जो बच्चों को परिवार से प्राप्त होते थे । कारणवश बच्चों में संस्कारों की कमी साफ दिखाई देती है । आज बच्चे अपने माता - पिता का और विद्यार्थी अपने गुरुजनों का सम्मान नहीं करते ।

प्रताड़ित आज विद्यार्थी नहीं समस्त शिक्षक हैं; जो देश का भविष्य निर्माण करते हैं । यह बहुत ही संवेदनशील विषय है क्योंकि अक्सर हम विद्यार्थियों की प्रताड़ना की बात करते हैं कभी हमने उन शिक्षकों के बारे में नहीं सोचा जो उन्हें ज्ञान का अथाह सागर प्रदान करते हैं । आज ऐसी स्थिति आ गई है कि भय के कारण शिक्षक सिर्फ नौकरी करते हैं विद्यादान नहीं ; क्योंकि बच्चों में निम्नस्तर पर मूल्यों का ह्रास होता जा रहा है । संस्कारों का तो दूर-दूर तक कोई लेना-देना ही नहीं इस स्थिति के जिम्मेदार स्वयं बच्चों के माता-पिता हैं क्योंकि आज प्रत्येक घर में एक या दो बच्चे हैं और वह घर के दुलारे हैं जिस कारण माता-पिता उनकी हर गलती पर पर्दा डालते हैं । आज मूल्यह्रास के कारण बच्चों का नजरिया भी शिक्षकों और शिक्षा के प्रति बदलता जा रहा है । अध्यापक उनकी नज़र में कोई मायने नहीं रखते क्योंकि सरकार ने ही ऐसा सिस्टम बना दिया है कि विद्यार्थियों को कुछ न कहा जाए । उन्हें न ही मानसिक और न ही शारीरिक प्रताड़ना दी जाए । सरकार के इस फैसले की मैं सराहना करती हूँ मगर इससे बच्चों में भी एक ऐसे बीज का रोपण हुआ है जिसके कारण वह अपनी गलती पर पर्दा डाल देते हैं और शिक्षकों को दोषी करार दे देते हैं ; यहाँ तक कि माता-पिता भी बच्चों के इस तरह के व्यवहार और कार्य में अपनी सहमति जताकर बच्चों को एक ऐसी राह देते हैं जो उस समय तो उन्हें सही लगती है मगर उन्हें यह अनुमान ही नहीं हो पाता कि भावी जीवन के लिए वह अपने ही बच्चे को अंधे कुएँ में डाल रहे हैं , जिसमे गिरकर राह पाना असंभव है।

शशि पाल
प्रवक्ता इतिहास रा वा मा पाठशाला
जटहेड़ी ऊना हिमाचल प्रदेश

बच्चों के प्रति किसी भी प्रकार के दंड के साथ कोई भी शिक्षक सहमत नहीं होगा और न ही हो सकता है क्योंकि एक गुरू अपने शिष्यों के प्रति माता- पिता जैसा भाव रखता है । घर में भी बच्चों की गलती पर अभिभावक बच्चों को डांटते और कभी-कभी मार भी देते होंगे तो जब एक शिक्षक बच्चों के सुधार हेतु कोई सकारात्मक कदम उठाता है तो उस पर प्रतिक्रिया क्यों होती है । आज का विद्यार्थी गुरू का सम्मान नहीं करता क्योंकि कहीं न कहीं उनके माता-पिता भी गुरूओं का सम्मान करते नजर नहीं आते । यथार्थ में अब स्थिति ऐसी हो गई है कि शिक्षा देना सेवा का कार्य न रह कर नौकरी तक ही सीमित हो गया है । जहाँ विद्यार्थी का कार्य पढ़ने का और अध्यापक का कार्य पढ़ाने का रह गया है । यही संबंध दर्शाता है कि आदर और आदर्श कहीं धूमिल हो गए हैं । आज बच्चों में नैतिक चरित्र का ह्रास इसी कारण हो रहा है क्योंकि उनका उद्देश्य शिक्षा प्राप्त करना नहीं 12वीं कक्षा पास करना है । इस प्रकार की सोच यह चिन्हित करती है कि बच्चों में किसी के प्रति आदर सत्कार नहीं है न ही शिक्षा और न ही शिक्षक । स्कूलों में विद्यार्थी शिक्षक को ज्ञानदीप दीपक नहीं एक खिलौना समझते हैं जो कि उनके इशारों पर चलता है । वह अध्यापक जो उन्हें पसंद नहीं , जो उन्हें पढ़ने के लिए प्रेरित कर रहा है , जो उनके माता-पिता को बातचीत करने के लिए और उनके परिवर्तित व्यवहार के विषय में जानकारी देने के लिए स्कूल में बुलाता है उसके खिलाफ बच्चे माता-पिता को स्कूल पहुंचने से पहले ही भड़का देते हैं परिणाम स्वरुप शिक्षक की शामत आ जाती है और समाधान कुछ नहीं निकलता । जो अध्यापक विद्यार्थी को सकारात्मक रूप से आगे बढ़ाने की कोशिश करता है वही विद्यार्थी उसकी अवहेलना कर उसको शर्मिंदा करवाता है । आज अध्यापक और विद्यार्थी का संबंध एकलव्य और द्रोणाचार्य वाला नहीं रहा । विद्यार्थी आज अपने खिलाफ एक शब्द नहीं सुनते बल्कि अध्यापक को ही अपमानित कर दोषी बना देते हैं ; यही कारण है कि आजकल के बच्चों में धैर्य और संयम नहीं है ।

संस्कारों और ज्ञान के अभाव के कारण ही आजकल की संताने बिगड़ैल संतानों की श्रेणी में रखी जाती हैं । देश में जितने भी अत्याचार पनप रहे हैं जिसमें छोटी-छोटी बच्चियों के साथ गलत व्यवहार हो रहा है , शिक्षक को शिक्षक नहीं सेवक समझा जाता है , बड़े-बूढ़ों का अपमान होता है, बच्चों में सोचने समझने की शक्ति नहीं है ,सोच संकीर्ण होती जा रही है , माताओं बहनों का आदर नहीं है यह इसलिए है क्योंकि उन्हें (बच्चों) ज्ञान प्राप्त हो ही नहीं रहा, अच्छे संस्कारों का आभाव और अनुशासनहीनता के कारण शालीनता दिखाई नहीं देती इसमें चाहे लड़का है या लड़की दोनों में झूठ बोलने, बातों को घुमा फिरा कर बदलने की आदत आती जा रही है ।

मौजूदा दौर की मांग है कि बच्चों के अभिभावकों को जानकारी देकर उन्हें बच्चों के कार्यों से अवगत कराया जाए । आज सभी विद्यालयों में यही नियम और प्रक्रिया अपनाई जाती है ।

दंड चाहे किसी भी प्रकार का हो मानसिक या शारीरिकज् प्रतिबंधित है और होना भी चाहिए मगर एक गंभीर समस्या यह उत्पन्न हो गई है कि अगर बच्चों के माता-पिता को शिक्षक बातचीत के लिए बुलाता है तो स्कूल पहुँचने से पहले ही बच्चे माता-पिता को कुछ भी शिक्षक के विषय में बता कर अपनी गलती पर पर्दा डाल देता है और माता पिता बच्चों की बात सुनकर एक तरफा निर्णय लेकर स्वयं भी शिक्षक को गलत ठहराते हैं एक बार भी अध्यापक से बच्चे की गलती पूछने की कोशिश नहीं करते हैं बच्चों में गिरते मूल्यों का यह एक बहुत ही बड़ा कारण है जिसका परिणाम हमारी भावी पीढ़ी संकीर्ण सोच वाली बनती जा रही है । कुछ दशकों पूर्व शिक्षक को ईश्वर का दर्जा प्राप्त था और कोई भी अभिभावक यह सोच भी नहीं सकता था कि शिक्षक ने उनके बच्चों को किसी दुर्भावना से पीटा होगा। पहले बिगड़ैल बच्चों के अभिभावक कई बार तो खुद स्कूल जाकर शिक्षकों से कहते थे कि उनके बच्चे के साथ सख्ती बरती जाए आज माहौल बदल गया है बच्चों के यह बताते ही कि शिक्षक ने उसे गाल पर या कमर पर मारा है या फिर कुछ शब्दों के माध्यम से कुछ कह दिया है अभिभावक बिना समय गँवाए शिक्षक पर कानूनी कार्यवाही कर देते हैं ।

अनुशासनहीनता के निवारण के उपाय

***परिवार की भूमिका :** माता-पिता को बच्चों के साथ संवाद बढ़ाना चाहिए, उनके व्यवहार की निगरानी करनी चाहिए, और उन्हें समय देना चाहिए।

***शिक्षा में सुधार :** पाठ्यक्रम में नैतिक और व्यावहारिक शिक्षा को अनिवार्य रूप से शामिल किया जाना चाहिए, न कि केवल पुस्तकीय ज्ञान।

***शिक्षक-अभिभावक सहयोग**- शिक्षक-अभिभावक बैठकों के माध्यम से बच्चों की प्रगति और व्यवहार पर चर्चा करनी चाहिए।

***सकारात्मक गतिविधियाँ** -स्कूलों में योग, खेलकूद, एनसीसी, और सांस्कृतिक कार्यक्रमों को बढ़ावा देना, जिससे ऊर्जा सकारात्मक दिशा में लगे।

***डिजिटल साक्षरता :** बच्चों को तकनीक का सही और सीमित उपयोग करना सिखाना।

***सकारात्मक सुदृढीकरण :** सजा के बजाय प्यार और समझ से अनुशासित करना।

शादी की सालगिरह मुबारक

बद्दी के सैमुएल सोहनी व ऊषा को शादी की सालगिरह पर प्रथम न्यूज की ओर से ढेरों शुभकामनाएं।

धर्मशाला में विधायक हमारा बना तो रोका गया यहां का विकास : जयराम ठाकुर

कहा, यहां विकास के लिए नगर निगम में भाजपा की विजय सुनिश्चित करें, केंद्र से बजट हम लेकर आएंगे, कहा, जनता वर्तमान कांग्रेस सरकार की जनविरोधी नीतियों, झूठे वादों और प्रशासनिक विफलताओं से पूरी तरह त्रस्त

» प्रथम न्यूज । धर्मशाला
10 मई (एएम नाथ)

पूर्व मुख्यमंत्री एवं नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने रविवार को धर्मशाला नगर निगम चुनाव प्रचार के अंतर्गत दाड़ी में आयोजित एक विशाल कार्यकर्ता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कांग्रेस सरकार पर कड़ा प्रहार किया और कार्यकर्ताओं में जीत का नया जोश भरा।

सम्मेलन के दौरान कार्यकर्ताओं में अभूतपूर्व उत्साह, ऊर्जा और विजय का संकल्प स्पष्ट रूप से दिखाई दिया, जिसे संबोधित करते हुए जयराम ठाकुर ने कहा कि धर्मशाला की जनता वर्तमान कांग्रेस सरकार की जनविरोधी नीतियों, झूठे वादों और प्रशासनिक विफलताओं से पूरी तरह त्रस्त हो चुकी है। उन्होंने विश्वास जताया कि नगर निगम में विकास, पारदर्शिता और निस्वार्थ जनसेवा की बहाली के लिए जनता पूरी मजबूती के साथ भारतीय जनता पार्टी के पक्ष में खड़ी है और भाजपा का प्रत्येक कार्यकर्ता जनता के इस अटूट समर्थन के साथ धर्मशाला में विजय पताका फहराने के लिए कृतसंकल्प है।

जयराम ठाकुर ने सभी 17 वार्डों के प्रत्याशियों के पक्ष में मतदान करने की अपील करते हुए स्पष्ट किया कि यदि धर्मशाला का वास्तविक और आधुनिक विकास देखना है, तो नगर निगम में भाजपा की सरकार बनाना अनिवार्य है। उन्होंने आरोप लगाया कि जब से विधायक सुधीर शर्मा भाजपा से विधायक बने हैं तो जानबूझकर धर्मशाला विधानसभा क्षेत्र का विकास रोका गया है।

उन्होंने जनता को आश्वस्त किया कि धर्मशाला के विकास कार्यों के लिए बजट की कोई कमी नहीं होने दी जाएगी और केंद्र सरकार से विशेष बजट का प्रावधान भाजपा सुनिश्चित करेगी। कांग्रेस पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि केवल खोखले भाषणों और घोषणाओं से धर्मशाला को पर्यटन राजधानी या स्मार्ट सिटी नहीं बनाया जा सकता। इसके लिए धरातल पर ठोस विजन और काम करने की इच्छाशक्ति की आवश्यकता होती है, जिसका कांग्रेस में पूर्णतः अभाव है।

जयराम ठाकुर ने आरोप लगाया कि कांग्रेस का इतिहास हमेशा से विकास कार्यों को गति देने के बजाय उनमें रोड़े अटकाने का रहा है और जब से धर्मशाला में भाजपा के विधायक की जीत हुई है, तब से राज्य सरकार ने प्रतिशोध की राजनीति करते हुए यहाँ के विकास पर पूरी तरह ग्रहण लगा दिया है। स्मार्ट सिटी के प्रोजेक्ट की डीपीआर तक ये सरकार बना नहीं पाई। हमने धर्मशाला में एडीबी प्रोजेक्ट के अंतर्गत 200 करोड़ की लागत से अंतर्राष्ट्रीय स्तर का कन्वेंशनल सेंटर बनाने के लिए बजट रखा था लेकिन उसे भी पता नहीं कहा खर्च कर दिया है। उन्होंने कहा कि वर्तमान सुक्खू सरकार केवल बदले की भावना से काम कर रही है और जनहित के प्रोजेक्ट्स को रोक रही है।

पूर्व मुख्यमंत्री ने याद दिलाया कि भाजपा के कार्यकाल में अंतर्राष्ट्रीय और राष्ट्रीय स्तर के बड़े आयोजनों के माध्यम से धर्मशाला को वैश्विक मानचित्र पर एक नई पहचान दिलाई गई थी, जबकि कांग्रेस नेता केवल मंचों से भाषण देकर पर्यटन राजधानी की बातें कर रहे हैं।

उन्होंने अंत में कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे घर-घर जाकर सरकार की विफलताओं को उजागर करें और धर्मशाला के स्वर्णिम भविष्य के लिए भाजपा को भारी बहुमत से विजयी बनाएं।

इस अवसर पर पार्टी प्रभारी श्रीकांत शर्मा, सांसद राजीव भारद्वाज, विधायक विपिन परमार, सुधीर शर्मा, विक्रम ठाकुर, पवन काजल सहित वरिष्ठ भाजपा नेता उपस्थित रहे।

संक्षिप्त न्यूज

दून पब्लिक स्कूल का दसवीं के परीक्षा परिणाम में उत्कृष्ट प्रदर्शन

स्कूल के दो छात्र मैरिट में प्रदेश में आठवें स्थान पर

बीबीएन, 10 मई (तारा) – हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड द्वारा घोषित मैट्रिक के परीक्षा परिणाम में दून पब्लिक स्कूल बरोटीवाला के छात्रों ने बहुत ही शानदार प्रदर्शन किया। स्कूल की प्रिंसिपल ममता चौधरी ने बताया कि उनके स्कूल के दो छात्रों नेहा राणा व कृतिका ने 98.56त्न अंक लेकर प्रदेश भर में आठवां स्थान प्राप्त किया है। दोनों छात्रों ने अपने माता पिता, स्कूल व इलाके का नाम रोशन किया है। इसके साथ ही अन्य छात्रा साक्षी ने भी 98त्न अंक लेकर स्कूल में दूसरा स्थान हासिल किया है। विद्यालय के 54 छात्रों में से 17 बच्चों ने 90 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त किये है। बाकी छात्रों ने भी 60 प्रतिशत अंक लेकर विद्यालय का नाम रोशन किया है। विद्यालय परिवार में खुसी का माहौल है। दसवीं कक्षा के परीक्षा परिणाम में शानदार प्रदर्शन पर चेयरमैन भगवान दास चौधरी व प्रिंसिपल ममता चौधरी ने सभी अध्यापकों, छात्रों व उनके अभिभावकों को बधाई व शुभकामनाएं दी है।

डोगरावाला की हर्षिता ने 10वीं में हासिल किए 94 प्रतिशत अंक

क्षेत्र का नाम किया रोशन

बद्दी 10 मई (तारा) – ग्राम पंचायत भटौली कला के अंतर्गत पड़ते गांव डोगरावाला की होनहार छात्रा हर्षिता ने दसवीं की मेडिकल परीक्षा में 94 प्रतिशत अंक हासिल कर अपने परिवार तथा पूरे क्षेत्र का नाम रोशन किया है। हर्षिता वर्तमान में शिवालिक साइंस स्कूल खरूनी में शिक्षा ग्रहण कर रही है।

हर्षिता, तरसेम लाल की पुत्री है। बेहद साधारण किसान परिवार से संबंध रखने वाली इस छात्रा ने कठिन परिस्थितियों के बावजूद अपनी मेहनत और लगन से यह मुकाम हासिल किया है। हर्षिता ने अपनी सफलता का श्रेय अपने माता पिता, गुरुजनों तथा परिवार के सहयोग को दिया है। उसने बताया कि उसका सपना प्रशासनिक सेवाओं में जाकर क्षेत्र और समाज का नाम ऊंचा करना है, ताकि वह लोगों की सेवा कर सके और जरूरतमंदों की मदद कर सके।

हर्षिता की इस उपलब्धि पर गांव डोगरावाला तथा आसपास के क्षेत्र में खुशी का माहौल है। ग्रामीणों, स्कूल प्रबंधन और सामाजिक संगठनों ने छात्रा को उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी हैं। लोगों का कहना है कि हर्षिता ने यह साबित कर दिया है कि मेहनत और आत्मविश्वास के बल पर हर मुश्किल को पार किया जा सकता है।

बी एल सेंट्रल पब्लिक का मैट्रिक का परीक्षा परिणाम रहा शत-प्रतिशत

बीबीएन, 10 मई (तारा) – बी एल सेंट्रल पब्लिक स्कूल बद्दी ने हिमाचल प्रदेश शिक्षा बोर्ड द्वारा आयोजित दसवीं कक्षा की परीक्षा में शानदार प्रदर्शन करते हुए 100 प्रतिशत परिणाम हासिल किया है। विद्यालय के सभी विद्यार्थियों ने प्रथम श्रेणी में परीक्षा उत्तीर्ण कर विद्यालय, अभिभावकों एवं क्षेत्र का नाम रोशन किया है।

विद्यालय की छात्रा अखिलांशी ने 700 में से 648 अंक प्राप्त कर विद्यालय में प्रथम स्थान हासिल किया। वहीं ओजस्वी अनुशाल ने 644/700 अंक लेकर द्वितीय स्थान प्राप्त किया तथा दिव्यांका ने 636/700 अंक प्राप्त कर तृतीय स्थान हासिल किया।

विद्यालय प्रबंधन एवं प्रधानाचार्य ने विद्यार्थियों की इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उन्हें, उनके अभिभावकों तथा अध्यापकों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों की मेहनत, शिक्षकों के मार्गदर्शन तथा अभिभावकों के सहयोग से यह उत्कृष्ट परिणाम संभव हो पाया है।

विद्यालय परिवार ने भविष्य में भी इसी प्रकार उत्कृष्ट शैक्षणिक उपलब्धियां प्राप्त करने का विश्वास व्यक्त किया तथा सभी विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

आर्य पब्लिक स्कूल बंगाणा में लगा निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर

रोटरी क्लब ऊना जनहित में दे रहा अग्रणी सेवाएं : मोदगिल

» प्रथम न्यूज । बंगाणा
10 मई (जोगिंद्र देव आर्य)

आर्य पब्लिक स्कूल बंगाणा में रविवार को विशाल निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। यह शिविर रोटरी क्लब ऊना के सहयोग से आयोजित हुआ, जिसमें कैपीटोल अस्पताल के विशेषज्ञ चिकित्सकों ने अपनी सेवाएं प्रदान कीं। जानकारी देते हुए रोटरी क्लब ऊना के अध्यक्ष यशपाल ठाकुर ने बताया कि शिविर सुबह 10 बजे से दोपहर 3 बजे तक आयोजित किया गया, जिसमें क्षेत्र के लोगों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। इसमें 120 लोगों का उपचार हुआ।

शिविर का उद्घाटन राष्ट्रीय किसान संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष देशराज मोदगिल ने मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित होकर किया। इस अवसर पर उन्होंने रोटरी क्लब ऊना द्वारा समाज सेवा के क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों की सराहना की। उन्होंने कहा कि रोटरी क्लब लगातार जनहित के कार्यों में अग्रणी भूमिका निभा रहा है और ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध करवाने का यह प्रयास अत्यंत सराहनीय है। उन्होंने क्लब के पदाधिकारियों, चिकित्सकों तथा विद्यालय प्रबंधन को इस सफल आयोजन के लिए बधाई भी दी।

शिविर में विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम में डॉ. योगेश गौबा (कंसल्टेंट यूरोलॉजी), डॉ. परतीक कुमार (कंसल्टेंट नेफ्रोलॉजी), डॉ. दीपिका परमार (कंसल्टेंट गैस्ट्रोएंटरोलॉजी), डॉ. बरजिंदर पाल सिंह (कंसल्टेंट इंटरनल मेडिसिन) तथा डॉ. कबीर ठाकुर (सीनियर डॉक्टर) ने मरीजों की जांच कर स्वास्थ्य संबंधी परामर्श दिया।

इस दौरान हृदय रोग, कैंसर, गैस्ट्रो (पेट), नेफ्रो (किडनी) सहित विभिन्न रोगों की जांच की गई। साथ ही जनरल मेडिकल चेकअप की सुविधा भी उपलब्ध रही। शिविर में मरीजों के ब्लड शुगर, ईसीजी तथा बी.पी. की जांच निःशुल्क की गई। आवश्यकता अनुसार मरीजों को मुफ्त दवाइयां भी वितरित की गईं।

शिविर के सफल संचालन हेतु अमरजीत कुमार ने कोऑर्डिनेटर इंचार्ज के रूप में जिम्मेदारी निभाई। इसके अलावा वरिष्ठ स्टाफ नर्स, स्टाफ नर्स, लैब टेक्नीशियन, फार्मासिस्ट, जी.डी.ए. तथा ड्राइवरों की टीम ने भी सेवाएं प्रदान कीं।

विद्यालय प्रबंधन ने बताया कि इस प्रकार के स्वास्थ्य शिविर समाज सेवा की भावना से आयोजित किए जाते हैं, ताकि ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों को विशेषज्ञ स्वास्थ्य सेवाएं उनके नजदीक उपलब्ध हो सकें। शिविर को लेकर क्षेत्रवासियों में भारी उत्साह देखने को मिला और बड़ी संख्या में लोगों ने स्वास्थ्य जांच का लाभ उठाया। इस मौके पर यशपाल ठाकुर, रंजीत जसवाल, रमेश सोनी, सुदर्शन ठाकुर, के आर आर्य, स्कूल के प्रबंधक जोगिंद्र देव आर्य, सीमा निरंकारी, ममता ठाकुर, समित शर्मा, नीना कुमारी समेत अन्य मौजूद रहे।

शहीद धर्मेन्द्र राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय दुर्गापुर धारड़ी की बेटी धान्या ने रचा इतिहास

» प्रथम न्यूज । पट्टा मेहलोग
10 मई (तारा)

दुर्गापुर धारड़ी क्षेत्र के लिए अत्यंत गर्व और खुशी का विषय है कि शहीद धर्मेन्द्र राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय दुर्गापुर धारड़ी की एक होनहार छात्रा धान्या सपुत्री दलीप कुमार ने अपनी प्रतिभा और मेहनत के दम पर पूरे प्रदेश में विद्यालय और अपने माता-पिता का नाम रोशन किया है।

छात्रा ने रिड्यूसिंग प्लास्टिक पॉल्यूशन विषय पर आयोजित 53वीं राज्य स्तरीय बाल वैज्ञानिक सेमिनार/भाषण प्रतियोगिता 2025-26 में प्रथम स्थान प्राप्त कर शानदार उपलब्धि हासिल की।

इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता का आयोजन राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद (एस सी ई आर टी) द्वारा 07 मई 2026 को किया गया था, जिसमें प्रदेशभर के प्रतिभाशाली विद्यार्थियों ने भाग लिया। कठिन प्रतिस्पर्धा के बीच विद्यालय की इस मेधावी बालिका ने प्लास्टिक प्रदूषण को कम करने संबंधी अपने प्रभावशाली भाषण, वैज्ञानिक सोच और बेहतरीन प्रस्तुतीकरण से निर्णायकों को प्रभावित करते हुए प्रथम स्थान अपने नाम किया।

इस ऐतिहासिक सफलता पर विद्यालय परिवार में खुशी की लहर दौड़ गई। विद्यालय में छात्रा को विशेष रूप से सम्मानित किया गया तथा शिक्षकों और विद्यार्थियों ने तालियों की गड़गड़ाहट के साथ उसका उत्साहवर्धन किया। विद्यालय के प्रधानाचार्य दीपक कुमार अवस्थी ने छात्रा की इस उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि यह पूरे विद्यालय, क्षेत्र और प्रदेश के लिए गर्व का क्षण है। उन्होंने कहा कि छात्रा की मेहनत, लगन और अनुशासन अन्य विद्यार्थियों के लिए प्रेरणा का स्रोत है। विद्यालय प्रशासन ने भी छात्रा के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि अब यह होनहार बालिका राष्ट्र स्तरीय प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए दिल्ली जाएगी, जहां वह हिमाचल प्रदेश का प्रतिनिधित्व करेगी।

इतना ही नहीं, इस प्रतिभाशाली छात्रा ने शिक्षा के क्षेत्र में भी शानदार प्रदर्शन करते हुए एक और बड़ी उपलब्धि अपने नाम की। हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड द्वारा घोषित दसवीं कक्षा के परीक्षा परिणाम में छात्रा ने 700 में से 660 अंक प्राप्त कर विद्यालय में प्रथम स्थान हासिल किया।

एक साथ दो बड़ी सफलताएं हासिल कर इस बेटी ने यह सिद्ध कर दिया है कि मेहनत, लगन और आत्मविश्वास के बल पर हर मुकाम हासिल किया जा सकता है। क्षेत्रवासियों, अभिभावकों और विद्यालय परिवार ने छात्रा को उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह बेटी आने वाले समय में प्रदेश और देश का नाम और अधिक ऊंचाइयों तक पहुंचाएगी

टटियाणा वार्ड-5 से भाजपा समर्थित बलबीर सिंह पुंडीर ने भरा नामांकन

समर्थकों के साथ नामांकन दाखिल करने पहुंचे बलबीर सिंह पुंडीर, विकास और जनसेवा के मुद्दों पर चुनाव लड़ेंगे बलबीर सिंह पुंडीर

» प्रथम न्यूज । शिलाई
10 मई (एएम नाथ)

जिला परिषद चुनाव के तहत वार्ड नंबर-5 टटियाणा से भाजपा समर्थित उम्मीदवार बलबीर सिंह पुंडीर ने सोमवार को अपने समर्थकों, पार्टी पदाधिकारियों और क्षेत्र के वरिष्ठ कार्यकर्ताओं की मौजूदगी में नामांकन पत्र दाखिल किया। नामांकन के दौरान भाजपा कार्यकर्ताओं और समर्थकों में खासा उत्साह देखने को मिला।

इस अवसर पर शिल्लाई विधानसभा क्षेत्र के पूर्व विधायक बलदेव तोमर , अधिवक्ता राजेंद्र नेगी, भाजपा मंडल अध्यक्ष साधु राम चौहान, पूर्व जिला परिषद सदस्य मामराज शर्मा सहित बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता और क्षेत्र के गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

नामांकन प्रक्रिया पूरी होने के बाद उपस्थित नेताओं और कार्यकर्ताओं ने बलबीर सिंह पुंडीर को शुभकामनाएं देते हुए विश्वास जताया कि टटियाणा वार्ड की जनता विकास, पारदर्शिता और जनसेवा के प्रति समर्पित नेतृत्व को समर्थन देगी। नेताओं ने कहा कि भाजपा संगठन बूथ स्तर तक मजबूत है और कार्यकर्ता पूरी निष्ठा के साथ चुनाव प्रचार में जुटेंगे।

इस मौके पर बलबीर सिंह पुंडीर ने कहा कि पार्टी नेतृत्व, वरिष्ठ कार्यकर्ताओं और क्षेत्र की जनता से उन्हें जो स्नेह, समर्थन और आशीर्वाद मिल रहा है, वह उनके लिए प्रेरणा का स्रोत है। उन्होंने कहा कि यदि जनता उन्हें सेवा का अवसर देती है तो क्षेत्र के विकास को प्राथमिकता दी जाएगी।

उन्होंने कहा कि टटियाणा वार्ड-5 में सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य, पेयजल और अन्य जनहित से जुड़े मुद्दों को प्रमुखता के साथ उठाया जाएगा। साथ ही युवाओं और महिलाओं के हितों को ध्यान में रखते हुए विकास योजनाओं को आगे बढ़ाने का प्रयास किया जाएगा।

बलबीर सिंह पुंडीर ने कार्यकर्ताओं और समर्थकों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह चुनाव केवल एक उम्मीदवार का नहीं बल्कि पूरे क्षेत्र के विकास, सम्मान और जनभावनाओं से जुड़ा हुआ चुनाव है। उन्होंने विश्वास जताया कि जनता के सहयोग और आशीर्वाद से सकारात्मक परिणाम प्राप्त होंगे तथा क्षेत्र में विकास की नई दिशा तय की जाएगी।

कमांद क्षेत्र में हादसा, आईआईटी मंडी के बीटेक छात्र की खड्ड में डूबने से मौत

» प्रथम न्यूज । मंडी
10 मई (ब्यूरो)

उपमंडल पधर के अंतर्गत कमांद क्षेत्र में शुक्रवार दोपहर एक दर्दनाक हादसे में आईआईटी मंडी के बीटेक छात्र की खड्ड में डूबने से मौत हो गई। मृतक की पहचान विपिन कुमार (21) पुत्र कपिल कुमार निवासी वार्ड नंबर-1, ओल्ड सिटी लोहारू, जिला भिवानी (हरियाणा) के रूप में हुई है।

वह वर्तमान में आईआईटी मंडी के साउथ कैंपस कमांद स्थित नाको हॉस्टल के कमरा नंबर-120 में रह रहा था।

जानकारी के अनुसार शुक्रवार दोपहर करीब 1ः40 बजे पुलिस पोस्ट कमांद को सूचना मिली कि रियागड़ी खड्ड में नहाते समय एक युवक डूब गया है।

सूचना मिलते ही एएसआई गजेंद्र पाल, प्रभारी पुलिस पोस्ट कमांद, पुलिस टीम सहित मौके पर पहुंचे। मौके पर स्थानीय लोगों ने युवक को खड्ड से बाहर निकाल लिया था, लेकिन वह अचेत अवस्था में था। युवक को तुरंत जोनल अस्पताल मंडी पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जोनल अस्पताल मंडी के शवगृह में रखवा दिया है। घटना की सूचना मृतक के परिजनों को दे दी गई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

थाना प्रभारी पधर अनिल कटोच ने मामले की पुष्टि करते हुए बताया कि पुलिस द्वारा आगामी कार्रवाई अमल में लाई जा रही है।

नालागढ में कवियों ने किया कविता पाठ

अखिल भारतीय साहित्य परिषद और नालागढ़ साहित्य कला मंच द्वारा कवि गोष्ठी का आयोजन

» प्रथम न्यूज । नालागढ़
10 मई (गुरजीत सिंह)

नालागढ़ में दिल्ली पब्लिक स्मार्ट स्कूल में रविवार को अखिल भारतीय साहित्य परिषद और नालागढ़ साहित्य कला मंच द्वारा कवि गोष्ठी आयोजित की गई।

इसमें अखिल भारतीय साहित्य परिषद के अखिल भारतीय साहित्य परिषद के राष्ट्रीय संगठन मंत्री मनोज कुमार मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कवियों ने मातृदिवस के उपलक्ष में मां के विषय में अपने उद्गार कविताओं के माध्यम से व्यक्त किए।

गोष्ठी की दसवीं कक्षा की छात्रा मुस्कान द्वारा पढ़ी गई राष्ट्रभक्ति से ओतप्रोत कविता ने खूब वाहवाही लूटी। इस अवसर पर परिषद के हिमाचल के संयोजक महीधर प्रसाद ने अखिल भारतीय साहित्य परिषद के विषय में जानकारी दी। अखिल भारतीय संगठन मंत्री मनोज कुमार ने बताया कि भारत में साहित्य बहुत प्राचीन है जो श्रुति स्मृति विधा द्वारा सदियों से एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी तक चलता रहा है। प्रकाशन तो बहुत बाद में शुरू हुआ।

इस अवसर पर नालागढ़ साहित्य कला मंच के अध्यक्ष यादव किशोर गौतम, कोषाध्यक्ष सुमति सिंघल, प्रमोद हर्ष, जगदीश भारद्वाज , जसविंद्र सिंह, आचार्य महेंद्र शर्मा, विद्यालय के निदेशक अनिल पराशर, अनु ठाकुर, रमेश ठाकुर, पंकज सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

भुवनेश्वर के आगे बिखरी मुंबई इंडियंस

2 हार के बाद बेंगलुरु ने की वापसी; प्वाइंट्स टेबल में टॉप पर पहुंची

अनुभवी तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार (4/23) की शानदार गेंदबाजी के सामने मुंबई इंडियंस की बल्लेबाजी पूरी तरह लड़खड़ा गई। भुवी की घातक गेंदबाजी के दम पर आरसीबी ने मुंबई इंडियंस को सात विकेट पर 166 रन के मामूली स्कोर पर रोक दिया। 167 रन के टारगेट को आरसीबी ने आखिरी गेंद पर चेज कर लिया।

गेंद के बाद भुवनेश्वर ने बल्ले से भी कमाल किया। उन्होंने 2 गेंदों पर नाबाद 7 रन बनाए। आरसीबी ने 2 विकेट से यह मैच जीता। 2 हार के बाद आरसीबी जीत की पटरी पर लौटी है। इस जीत के साथ बेंगलुरु प्वाइंट्स टेबल में टॉप पर पहुंच गई है। टीम के 14 अंक हैं।

कोहली का नहीं खुला खाता

167 रन चेज करने उतरी आरसीबी की शुरुआत खराब रही। दीपक चाहर ने टीम को 2 बड़े झटके दिए। पहले ही ओवर में दीपक चाहर ने विराट कोहली का विकेट चटकाया। कोहली का खाता नहीं खुला। अपने कोटे के अगले ओवर में चाहर ने देवदत्त पडिक्कल (12) का शिकार किया। पावरप्ले के आखिरी ओवर में कप्तान रजत पाटीदार (8) ने रयान रिकेल्टन को कैच थमा दिया।

पांड्या ने लगाई फिफ्टी

इसके बाद क्रुणाल पांड्या ने जैकब बेथेल के साथ पारी को संभाला और 42 गेंदों पर 55 रन जोड़े। जैकब ने 27 गेंदों पर 27 रन की धीमी पारी खेली। 6 नंबर पर बल्लेबाजी करने आए विकेटकीपर बल्लेबाज जितेश शर्मा ने पांड्या का साथ दिया। इस बीच पांड्या ने अपनी पुरानी टीम के खिलाफ 33 गेंदों पर फिफ्टी पूरी की।

फिफ्टी लगाने के बाद भी क्रुणाल डटे रहे और उन्होंने रन बनाना जारी रखा। इस दौरान वह तकलीफ में भी नजर आए। ऐसे में उन्होंने सिर्फ बाउंड्री लगाने का फैसला लिया। 18वें ओवर में उन्होंने 2 सिक्स भी लगाए। हालांकि, तीसरा हवाई फायर करने के प्रयास में वह कैच आउट हो गए। क्रुणल ने 46 गेंदों पर 73 रन की पारी खेली। बाउंड्री पर तिलक वर्मा ने उनक बेहतरीन कैच लिया।

आईपीएल में पांड्या के अर्धशतक

86 (37) बनाम दिल्ली कैपिटल्स, 2016

73* (47) बनाम दिल्ली कैपिटल्स, 2025

73 (46) बनाम मुंबई इंडियंस, 2026*

आखिरी 2 ओवर का रोमांच

आखिरी 2 ओवर में आरसीबी को जीत के लिए 18 रन चाहिए थे। 19वें ओवर में जसप्रीत बुमराह ने 3 रन ही दिए। ऐसे में 20वें ओवर में आरसीबी को जीत के लिए 15 रन बनाने थे। सूर्यकुमार यादव ने यह ओवर राज बावा को दिया। उनकी पहली गेंद वाइड की। अगली गेंद पर कोई रन नहीं दिया। इसके बाद नो बॉल कर दी।

हालांकि, फ्री हिट पर 1 रन ही बना। ऐसे में रसिख स्ट्राइक पर आ गए। तीसरी गेंद पर उन्होंने रोमारिया शेफर्ड को आउट किया। इसके बाद आए भुवनेश्वर कुमार ने सिक्स जड़ा और मैच को रोमांचक बना दिया। 5वीं गेंद पर भुवी ने 1 रन लिया। आखिरी गेंद पर रासिख ने 2 रन लिए और आरसीबी की जीत पक्की कर दी।

टॉस हारकर बल्लेबाजी करने उतरी मुंबई

रविवार को रायपुर के शहीद वीर नारायण सिंह अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम की काली मिट्टी की पिच पर दरारों और असमान उछाल वाली पिच पर बल्लेबाजी आसान नहीं थी और भुवनेश्वर ने परिस्थितियों का बेहतरीन इस्तेमाल करते हुए मुंबई के शीर्ष क्रम को तहस-नहस कर दिया। उन्होंने रियान रिकल्टन (2), रोहित शर्मा (22) और कार्यवाहक कप्तान सूर्यकुमार यादव (0) को आउट कर मुंबई को झटके दिए और महज 28 रन पर तीन विकेट गंवाने के बाद मुंबई की टीम दबाव में आ गई।

हालांकि, तिलक वर्मा (57) और नमन धीर (47) ने संयम दिखाते हुए पारी को संभालने की कोशिश की। दोनों ने चौथे विकेट के लिए 82 रन की साझेदारी कर टीम को सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचाने की नींव रखी। तिलक को जीवनदान भी मिला जब वह नौ रन पर थे। रसिख सलाम की धीमी गेंद पर उनका टॉप एज मिडविकेट की ओर गया, लेकिन सुयश शर्मा आसान कैच नहीं पकड़ सके।

यह मौका मुंबई के लिए अहम साबित हुआ क्योंकि तिलक ने इसके बाद पारी को संभालने का जिम्मा उठाया। दोनों बल्लेबाजों ने मुश्किल परिस्थितियों में धैर्य दिखाते हुए स्ट्राइक रोटेट की और खराब गेंदों पर ही आक्रमण किया। हालांकि, नमन धीर एक ऐसी गेंद पर आउट हुए जो नीची रही और उनका संघर्षपूर्ण अंत हो गया।

कमाल के भुवी

भुवनेश्वर कुमार ने नई गेंद से कमाल दिखाया। पहले ही ओवर की अंतिम गेंद पर उन्होंने फार्म में चल रहे रियान रिकल्टन को कप्तान रजत पाटीदार के हाथों कैच कराया। इसके बाद रोहित शर्मा ने कुछ आकर्षक शॉट लगाए और लगातार दो छक्के जड़कर लय पकड़ने की कोशिश की, लेकिन भुवनेश्वर ने अपनी चतुराई से उन्हें भी पवेलियन भेज दिया। धीमी नकल बॉल पर रोहित बल्ला दूर ले गए और विकेटकीपर के हाथों कैच हो गए।

सूर्य का खराब फार्म जारी रहा। ऑफ स्टंप के बाहर जाती गेंद पर उन्होंने शॉट खेलने की कोशिश की, लेकिन गेंद बल्ले का किनारा लेकर विराट कोहली के हाथों में चली गई। कोहली ने शानदार कैच लपकते हुए जोरदार जश्न मनाया। मुंबई ने बाद में कुछ रन जरूर जोड़े, लेकिन आरसीबी के गेंदबाजों ने लगातार दबाव बनाए रखा। भुवनेश्वर की अगुआई में बेंगलुरु की गेंदबाजी इकाई ने अनुशासित प्रदर्शन करते हुए मुंबई को बड़े स्कोर तक पहुंचने से रोक दिया।

2019 के बाद पहली बार सीएसके ने 180+ रनों का लक्ष्य हासिल किया

उर्विल पटेल की धुआंधार बल्लेबाजी से चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) ने लखनऊ सुपर जाएंट्स को पांच विकेट से हराया। लखनऊ ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में आठ विकेट पर 203 रन बनाए। जवाब में सीएसके ने 19.2 ओवर में पांच विकेट पर 208 रन बनाकर मैच अपने नाम किया। 2019 के बाद यह पहली बार है जब सीएसके ने 180+ रनों के लक्ष्य को सफलतापूर्वक हासिल किया है।

तालिका में पाचवें स्थान पर पहुंची सीएसके

सीएसके इस जीत के साथ ही अंक तालिका में पांचवें स्थान पर पहुंच गई है। सीएसके के 11 मैचों में छह जीत और पांच हार के साथ 12 अंक हैं। सीएसके ने बेहतर नेट रन रेट के कारण राजस्थान रॉयल्स को पीछे छोड़ दिया है। राजस्थान के भी इतने ही अंक हैं। वहीं, लखनऊ प्लेऑफ की दौड़ से लगभग बाहर हो गई है। लखनऊ 11 मैचों में तीन जीत और आठ हार के साथ छह अंक लेकर तालिका में सबसे नीचे 10वें स्थान पर मौजूद है।

उर्विल की विस्फोटक बल्लेबाजी

लक्ष्य का पीछा करते हुए संजू सैमसन और ऋतुराज गायकवाड़ ने सीएसके को अच्छी शुरुआत दिलाई। सैमसन ने शुरुआत से ही हाथ खोले और कुछ अच्छे शॉट्स लगाए, लेकिन दिग्वेश ने उन्हें बोल्ड कर सीएसके को पहला झटका दिया। सैमसन 14 गेंदों पर तीन चौकों और दो छक्कों की मदद से 28 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद उर्विल पटेल ने विस्फोटक बल्लेबाजी की और रिकॉर्ड बना लिया। उर्विल ने महज 13 गेंदों पर पचासा पूरा किया और आईपीएल इतिहास का संयुक्त रूप से सबसे तेज अर्धशतक लगाया।

प्लेऑफ की दौड़ से लखनऊ लगभग बाहर

उर्विल ने इसके साथ ही यशस्वी जायसवाल की बराबरी कर ली है जिन्होंने 13 गेंदों पर ही आईपीएल में अर्धशतक लगाया था। हालांकि, शाहबाज अहमद ने उनकी पारी का अंत किया। उर्विल ने 23 गेंदों पर दो चौकों और आठ छक्कों की मदद से 65 रन बनाए।

सीएसके की पारी लड़खड़ाई

उर्विल के आउट होने के बाद सीएसके की पारी लड़खड़ा गई। लखनऊ हालांकि, वापसी करने में तो सफल हुई, लेकिन मौके को नहीं भुना सकी। लखनऊ की हार का एक बड़ा कारण खराब फील्डिंग रही क्योंकि टीम ने तीन कैच छोड़े। दिग्वेश राठी ने दो कैच छोड़े, जबकि निकोलस पूरन ने एक कैच छोड़ा। दिग्वेश और पूरन ने इम्पैक्ट प्लेयर के तौर पर उतरे प्रशांत वीर को दो बार उस समय जीवनदान दिया, जब मैच बेहद रोमांचक मोड़ पर पहुंच गया था। इसका खामियाजा टीम को उठाना पड़ा।

सीएसके के लिए ऋतुराज ने 42, कार्तिक शर्मा ने 20 और डेवाल्ड ब्रेविस ने 10 रन बनाए। वहीं, प्रशांत 12 गेंदों पर दो छक्कों की मदद से नाबाद 18 और शिवम दुबे सात गेंदों पर दो छक्कों की मदद से 15 रन बनाकर नाबाद लौटे। लखनऊ की ओर से दिग्वेश और शाहबाज अहमद को दो-दो विकेट मिले, जबकि आवेश खान को एक सफलता मिली।

असम में हिमंता बिस्वा सरमा फिर बनेंगे कम

गुवाहाटी (ब्यूरो)- असम में हिमंता बिस्वा सरमा लगातार दूसरी बार मुख्यमंत्री बनेंगे। हिमंता बिस्वा सरमा को बीजेपी विधायक दल का नेता चुन लिया गया है। गुवाहटी में आयोजित विधायक दल की बैठक में केंद्रीय पर्यवेक्षक जेपी नड्डा ने हिमंता के नाम की घोषणा की। अब 12 मई को हिमंता बिस्वा सरमा का गुवाहटी में मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे। विधायक दल की बैठक के बाद केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने कहा- विधायक दल के नेता के लिए कुल 8 प्रस्ताव आए। पहला प्रस्ताव रंजीत कुमार दास, दूसरा प्रस्ताव विश्वजीत, तीसरा प्रस्ताव अंजता नियो, चौथा प्रस्ताव रामेश्वर तेली, पांचवां प्रस्ताव राजदीप राय, छठा प्रस्ताव अशोक सिंघल, सातवां प्रस्ताव पीयूष हजारिका, और आठवां प्रस्ताव चक्रधर गोगोई की तरह से आया।

तमिलनाडु CM बनते विजय के तीन ताबड़तोड़ फैसले

पहला आदेश 200 यूनिट बिजली फ्री

महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए एक विशेष टास्क फोर्स गठित करने का ऐलान

ड्रग्स के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई के लिए स्पेशल टास्क फोर्स के गठन की घोषणा

चैन्नई (ब्यूरो)- तमिलनाडु में मुख्यमंत्री पद की शपथ लेते ही थलापति विजय एक्शन में नजर आए। उन्होंने शपथ ग्रहण के तुरंत बाद 200 यूनिट फ्री बिजली का ऐलान किया। साथ ही महिलाओं की सुरक्षा और ड्रग्स के खिलाफ स्पेशल फोर्स के गठन का भी ऐलान किया। दरअसल TVK चीफ सी जोसेफ विजय ने तमिलनाडु के मुख्यमंत्री के तौर पर शपथ लेने के बाद लोगों को संबोधित किया। इसी संबोधन में उन्होंने इन तीन घोषणाओं की जानकारी दी। विजय ने पहले ही कहा था कि वो सीएम बनते ही काम शुरू कर देंगे। TVK चीफ सी जोसेफ विजय ने तमिलनाडु के मुख्यमंत्री के तौर पर शपथ लेने के बाद पहले डॉक्यूमेंट्स पर साइन किए।

ऑल इंडिया सलमानी वेलफेयर सोसायटी का बड़ा धमाका — पंजाब के 4 जिलों में नई नियुक्तियां

» प्रथम न्यूज । जालंधर
10 मई (ब्यूरो)

पंजाब में सलमानी समाज को मजबूत करने और समाज की आवाज़ को हर शहर तक पहुंचाने के उद्देश्य से ऑल इंडिया सलमानी वेलफेयर सोसायटी ने बड़ा फैसला लेते हुए 4 नए शहर अध्यक्षों की नियुक्ति की है।

सोसायटी के नेशनल प्रेसिडेंट Nasir Salmani ने घोषणा करते हुए कहा कि समाज को एकजुट कर नई ऊंचाइयों तक पहुंचाना संगठन का मुख्य उद्देश्य है। उन्होंने सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों को मुबारकबाद देते हुए उम्मीद जताई कि वह समाज की सेवा पूरी ईमानदारी और मेहनत से करेंगे।

नई नियुक्तियां इस प्रकार हैं –

* वसीम सलमानी – फिरोजपुर सिटी प्रधान
* हसीन सलमानी – जीरा सिटी प्रधान
* सलीम सलमानी – फरीदकोट प्रधान
* मोहसीन सलमानी – कोटकपूरा प्रधान

इस मौके पर पंजाब प्रेसिडेंट Nazim Salmani ने कहा कि पंजाब में सलमानी समाज तेजी से एकजुट हो रहा है और आने वाले समय में समाज की ताकत पूरे प्रदेश में दिखाई देगी। उन्होंने कहा कि संगठन हर जिले में मजबूत टीम तैयार कर रहा है ताकि समाज के लोगों की आवाज़ बुलंद हो सके।

वहीं लुधियाना प्रधान Mehfooz Salmani ने कहा कि सलमानी समाज हमारी पहचान और हमारी ताकत है। हम सब मिलकर समाज को नई पहचान दिलाने और युवाओं को आगे बढ़ाने का काम करेंगे। संगठन हमेशा समाज की भलाई और एकता के लिए काम करता रहेगा।

इन नियुक्तियों के बाद पंजाब में सलमानी समाज के लोगों में खुशी की लहर है और संगठन को लगातार मजबूत समर्थन मिल रहा है।

इमरान मेहताब सलमानी नेशनल महामंत्री
मुजम्मिल सलमानी नेशनल सचिव
गयूर सलमानी
वाजिद सलमानी
मुस्तकीम सलमानी
इस्ताकर सलमानी
मतलुब सलमानी
अनीश सलमानी
बबलू सलमानी

मदर्स डे पर मां के साथ जिंदा जलीं 2 बेटियां

ब्यावर (ब्यूरो)- राजस्थान के ब्यावर जिले में मदर्स डे पर दर्दनाक हादसा हुआ है। आग में झुलसने से मां के साथ 2 बेटियां जिंदा जल गईं। बताया जा रहा है कि किचन में चाय बनाते वक्त गैस लीकेज होने के कारण भीषण आग लग गई। हादसा इतना भयावह था कि घर में मौजूद मां और बेटियों को बाहर निकलने का वक्त नहीं मिला और तीनों की मौत हो गई। आग लगने की सूचना पाकर ब्यावर से दमकल मौके पर पहुंची और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

पुलिस ने बताया कि घटना रेलड़ा ग्राम पंचायत के अंतर्गत काणेचा उदावतान गांव में हुई, जहां एक दुकान के भीतर बने रसोईघर में आग लग गई। मृतकों की पहचान मनीषा (28) और उनकी 2 बेटियां नविया (08) और पल्लवी (05) के रूप में हुई है।

गरीबों की सेवा में भी अग्रणी को कानपुर का नारायना, हॉस्पिटल, करेगा नि:शुल्क इलाज; चेयरमैन सम्मानित

» प्रथम न्यूज । कानपुर
10 मई (सुनील बाजपेई)

अनगिनत अन्य के साथ सर्वोत्तम और सस्ती चिकित्सा के रूप में भी समाज सेवा में अग्रणी नारायना हॉस्पिटल अपने कर्तव्य पथ पर लगातार सफलतापूर्वक अग्रसर हो रहा है। अब उसने मानसिक और आर्थिक रूप से कमजोर निर्धन गरीबों के हित में एक और अति सराहनीय पहल शुरू की है, जिसका संबंध उनका नि:शुल्क इलाज किए जाने से है। गरीबों निर्धनों के इलाज के रूप में नि:शुल्क सेवा करने वाले देश के गिने-चुने हॉस्पिटलों में से एक नारायना हॉस्पिटल की इस विशेष पहल का उद्देश्य ऐसे जरूरतमंद मरीजों को बेहतर और सुलभ स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना है ,जिन्हें आर्थिक कारणों से इलाज कराने में कठिनाई होती है।

नारायना हॉस्पिटल द्वारा मानसिक रूप से कमजोर एवं आर्थिक रूप से कमजोर जरूरतमंद लोगों के लिए नि:शुल्क उपचार की की सराहनीय और अनुकरणीय पहल के लिए विश्व रेड क्रॉस दिवस पर नारायना ग्रुप ऑफ़ इंस्टीट्यूट के चेयरमैन प्रखर समाज सेवी प्रेसिडेंट अमित नारायन त्रिवेदी को इंडियन रेडक्रॉस सोसाइटी द्वारा सम्मानित भी किया गया।

जन सेवा के क्षेत्र में उन्हें यह महत्वपूर्ण सम्मान कानपुर के डीएम श्री जितेंद्र प्रताप सिंह द्वारा प्रदान किया गया। इस मौके पर हर किसी के सुख-दुख में सदैव खड़े होने वाले और समाज सेवा के क्षेत्र में अग्रणी प्रखर समाज सेवी और नारायना ग्रुप ऑफ़ इंस्टीट्यूट के चेयरमैन अमित नारायन त्रिवेदी ने कहा कि यह सम्मान केवल मेरा नहीं, बल्कि पूरी नारायना ग्रुप टीम, डॉक्टरों और उन सभी सहयोगियों का भी है, जो निरंतर समाज सेवा के इस अभियान से जुड़े हैं। चेयरमैन अमित नारायन जनहित ने वाले इस महत्वपूर्ण और प्रसंसनीय कार्य को केवल एक सेवा नहीं, बल्कि मानवता के प्रति अपना कर्तव्य भी बताया। सेवा को ही सबसे बड़ा धर्म बताने के साथ ही सभी का ह्रदय से हार्दिक आभार भी व्यक्त करते हुए नारायण ग्रुप के प्रेसिडेंट अमित नारायन त्रिवेदी ने यह भी विश्वास व्यक्त किया कि इंडियन रेडक्रॉस सोसाइटी द्वारा डीएम श्री जितेंद्र प्रताप सिंह के हाथों मिला यह सम्मान उन्हें आगे भी समाज के कमजोर, जरूरतमंद और वंचित लोगों की सेवा के लिए और अधिक समर्पण के साथ कार्य करने की प्रेरणा देता रहेगा।

इस मौके पर मैनेजिंग डायरेक्टर उदित नारायण, डॉ. ए.एस. प्रसाद, डॉ. अंगद, डॉ. आई.एम. रोहतगी, डॉ. एस.के. सिंह, आर.के. सबरवाल तथा इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी के चेयरमैन डॉ. उमेश जी की उपस्थिति ने नारायना ग्रुप ऑफ़ इंस्टीट्यूट के प्रखर समाज सेवी प्रेसिडेंट अमित नारायन त्रिवेदी के सम्मान के इस शुभ अवसर को और भी विशेष बना दिया। यह भी अवगत कराते चलें कि गरीब निर्धनों की सेवा के इरादे के फलस्वरूप पनकी गंगागंज स्थित नारायना हॉस्पिटल में एक नवीनतम एच.डी.यू तथा आई.सी.यू वार्ड भी बीते साल से चालू है, जिसका शुभारंभ मुख्य अतिथि के रूप में जापान से भारत आकर जे सी आई मतलब जूनियर चैंबर इंटरनेशनल के वर्ल्ड वाइस प्रेसिडेंट श्री हिरोकी तिमोरी ने किया था। अब यही वार्ड जरूरतमंद गरीबों की भी चिकित्सकीय सेवा का माध्यम बना हुआ है। इस तरह की सराहनीय और अनुकरणीय मानव सेवा की पहल को देखकर जूनियर चैंबर इंटरनेशनल के वर्ल्ड वाइस प्रेसिडेंट जापान के श्री हिरोकी तिमोरी ने नारायण हॉस्पिटल और उसके इस वार्ड को समाज सेवा का एक प्रेरणादायक उदाहरण भी बताया था। और अब नारायण ग्रुप ऑफ़ इंस्टीट्यूट के बेहद परोपकारी चेयरमैन अमित नारायन की अगुवाई में मानसिक रूप से कमजोर एवं आर्थिक रूप से कमजोर जरूरतमंद लोगों के लिए नि:शुल्क उपचार की भारत में दुर्लभ जैसी नारायना हॉस्पिटल की यह सराहनीय और अनुकरणीय पहल योगी मोदी सरकार के लोकहित वाले इरादे सबका साथ और सबका विकास के साथ सबका इलाज जैसे स्वस्थ जीवन के लिए आवश्यक उद्देश्य को भी देश और समाज के हित में पूरा करने वाली है, क्योंकि सबका साथ और सबका विकास तब तक संभव नहीं है ,जब तक लोग किसी भी बीमारी ,रोग और पीड़ा के खिलाफ शारीरिक और मानसिक रूप से भी पूर्ण स्वस्थ ना हों।

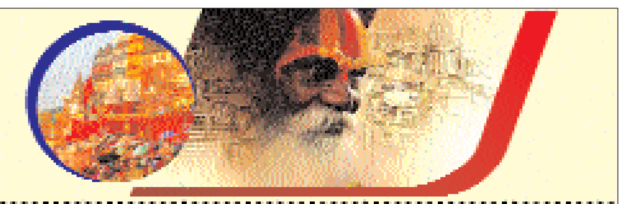

वट सावित्री व्रत के दिन बरगद पर क्यों लपेटा जाता है कच्चा सूत? जानें धार्मिक मान्यता

हर साल ज्येष्ठ माह की अमावस्या के दिन सुहागिन महिलाएं वट सावित्री का व्रत रखती हैं. इस दिन सुहागिन महिलाओं द्वारा व्रत रखकर बरगद के पेड़ को पूजा की जाती है. वट सावित्री का व्रत रखने से महिलाओं को अखंड सौभाग्य का आशीर्वाद मिलता है. पति की आयु लंबी होती है. साथ ही वैवाहिक जीवन खुशहाल होता है. धार्मिक मान्यता है कि सावित्री ने मृत्यु के देवता यम को अपने पति सत्यवान के प्राण को लौटाने पर विवश कर दिया था.

यही कारण है कि पति की सकुशलता एवं दीर्घायु की कामना करते हुए विवाहित महिलाएं वट सावित्री का व्रत करती हैं. वट सावित्री व्रत के दिन दिन बरगद पेड़ की पूजा करने से यमराज की कृपा के साथ-साथ त्रिदेवों का भी आशीर्वाद मिलता है. इस दिन बरगद की पेड़ की पूजा करते समय उस पर सात बार कच्चा सूत लपेटा जाता है. आइए जानते हैं कि महिलाएं ऐसा क्यों करती हैं? इसके पीछे की धार्मिक मान्यता क्या है?

वट सावित्री का व्रत कब है?

- पंचांग के अनुसार, ज्येष्ठ माह की अमावस्या तिथि 16 मई 2026 को सुबह 05 बजकर 11 मिनट पर शुरू हो रही है.
- इस अमावस्या तिथि का समापन 16 मई को ही देर रात 01 बजकर 30 मिनट पर होगा.
- ऐसे में उदया तिथि के अनुसार, इस साल वट सावित्री का व्रत 16 मई 2026, शनिवार के दिन रखा जाएगा.

महिलाएं बरगद पर क्यों लपटेती हैं कच्चा सूत?

वट सावित्री व्रत के दिन पूजा के दौरान विवाहित महिलाओं द्वारा बरगद के पेड़ पर सात बार कच्चा सूत लपेटा जाता है. बिना ऐसा किए वट सावित्री व्रत की पूजा अधूरी मानी जाती है. धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, वट सावित्री व्रत के दिन बरगद पर कच्चा सूत लपटने से पति पर आने वाले सभी संकट और बाधाएं दूर होती हैं.

साथ ही दांपत्य जीवन में सुख, शांति और प्यार बढ़ता है.

त्रिदेवों से सुरक्षा कवच की मांग

इतना ही नहीं इस दिन बरगद के पेड़ पर सूत लपटने से पति-पत्नी का साथ सात जन्मों तक रहता है. एक अन्य मान्यता के अनुसार, बरगद की जड़ में ब्रह्मा, तने में विष्णु और शाखाओं में महादेव वास करते हैं. महिलाएं पेड़ के चारों ओर कच्चा सूत लपेटकर त्रिदेवों से अपने पति की लंबी आयु और परिवार की सुख-समृद्धि की कामना करती हैं. यही नहीं कच्चा सूत लपेटकर महिलाएं त्रिदेवों से अपने पति के लिए सुरक्षा कवच मांगती हैं.

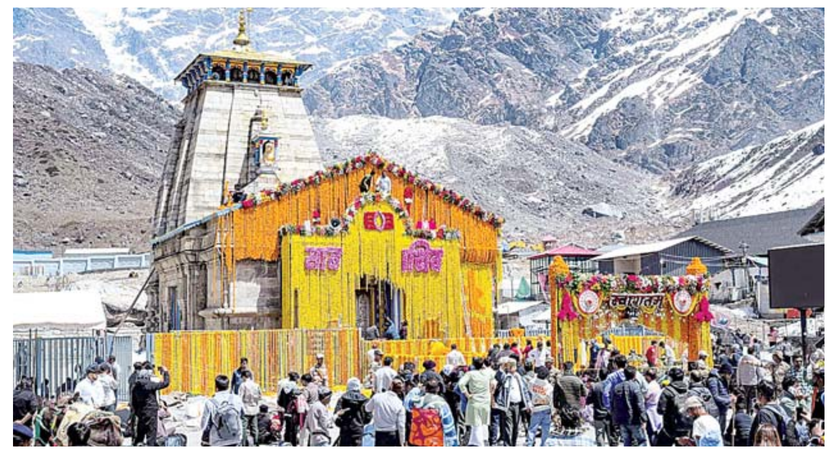

केदारनाथ में स्थापित शिवलिंग क्यों है त्रिकोण ?

उत्तराखंड की पावन धरती पर पहाड़ों से बीच स्थित है केदारनाथ धाम. ये धाम भगवान महादेव के 12 ज्योतीर्लिंगों में शामिल है. हिमालय की ऊंचाइयों में स्थित बाबा केदारनाथ धाम की ओर शिव भक्त खींचे चले आते हैं. यहां हर साल दर्शन के लिए पहुंचने वाले भक्तों की संख्या लाखों में होती है. केदारनाथ धाम भगवान शिव का दिव्य निवास भी माना जाता है.

यह धाम पंचकेदार में शामिल है, जोकि भक्तों की भक्ति और आस्था का केंद्र माना जाता है. शिव जी के धाम में अनेक रहस्य छिपे हैं, लेकिन केदारनाथ धाम में जो शिवलिंग स्थापित है उसका आकार और स्वरूप अन्य ज्योतिर्लिंगों से भिन्न है. सभी ज्योतिर्लिंगों में सबसे ऊंचा यह शिवलिंग गोल नहीं है, बल्कि त्रिकोण है. आइए जानते हैं इसकी प्राचीन और दिलचस्प कथा.

पौराणिक कथा के अनुसार - केदारनाथ में स्थापित शिवलिंग का आकार गोल नहीं है, बल्कि यह त्रिकोण है. शिवलिंग की ऊंचाई और चौड़ाई करीब 12-12 फीट है. यहां शिवलिंग बैल की पीठ के आकार का दिखता है. इसका गहरा संबंध पांडवों और भगवान शिव से बताया जाता है. पौराणिक कथा के अनुसार, महाभारत का युद्ध खत्म होने के बाद पांडवों को अपने ही कुल के लोगों का अंत करने पर पछतावा होने लगा.

पांडव भगवान शिव की शरण में पहुंचे

इस पाप से मुक्ति पाने के लिए सभी पांडव भगवान शिव की शरण में पहुंचे. वहीं भगवान शिव ने भी पांडवों और द्रौपदी की परीक्षा लेने का मन बनाया. महादेव ने पांडवों से दूर रहने के लिए बैल का रूप लिया और धरती पर छिपने लगे, लेकिन भीम ने बैल रूपी महादेव की पूंछ पड़क ली. इससे हुआ ये कि भूमि के पर केवल बैल की पीठ ही रह गई.

यही बैल का कूबड़ उत्तराखंड में केदारनाथ धाम में है. इसके कारण यहां का शिवलिंग त्रिभुजाकार यानी बैल की पीठ के आकार का है. भगवान शिव बैल के रूप में वहां से अंतर्ध्यान हो गए और भूमि में छिपे बैल के अलग-अलग अंगों का अन्य 4 स्थानों पर प्रकाट्य हुआ. यही कारण है कि केदारनाथ समेत इन सभी 5 स्थानों को पंचकेदार कहा जाता है.

अधिकमास में भूलकर भी न करें ये 5 काम, वरना जीवन में बढ़ जाएगा दुर्भाग्य!

सनातन धर्म में अधिकमास को बहुत विशेष, पावन और महत्वपूर्ण माह माना जाता है. अधिकमास को पुरुषोत्तम मास और मलमास भी कहा जाता है. ये माह जगत के पालनहार भगवान विष्णु को समर्पित किया गया है. इस माह में भगवान विष्णु का व्रत और पूजन बहुत पुण्यदायी माना गया है. इस बार 17 मई 2026 से 15 जून 2026 तक अधिकमास रहने वाला है.

यह केवल एक अतिरिक्त महीना नहीं, बल्कि आध्यात्मिक साधना और आत्मचिंतन का विशेष अवसर माना जाता है. जब सूर्य का एक राशि से दूसरी राशि में प्रवेश नहीं होता है, तो उस अवधि को अधिकमास या मलमास कहा जद्वाता है.

हर महीने सूर्य का राशि परिवर्तन (संक्रांति) होता है, लेकिन जब किसी महीने में सूर्य राशि परिवर्तन नहीं करते हैं, तो वह महीना अधिकमास कहा जाता है. इस पवित्र महीने में कुछ काम वर्जित होते हैं, तो आइए जानते हैं उन कामों के बारे में.

अधिकमास में न करें ये काम

तामसिक चीजों का सेवन : अधिकमास पवित्र महीना है, इसमें शराब-नॉनवेज किसी भी तरह की तामसिक चीजों के सेवन से बचें. इस पूरे महीने केवल सात्विक भोजन खाएं. वरना जीवन में दुर्भाग्य और नकारात्मकता बढ़ सकती है.

क्रोध और अपमान : इस महीने में क्रोध और किसी का अपमान न करें. क्योंकि ऐसा करने से नकारात्मकता बढ़ती है. पुरुषोत्तम महीना शुभ विचारों वाला और जीवन में सकारात्मकता लाने वाला होता है.

शुभ और मांगलिक काम : इस माह में शादी, सगाई, नए कार्य की शुरुआत, मुंडन, जनेऊ संस्कार आदि न करें. इस माह में इन सभी शुभ कामों का शुभ फल प्राप्त नहीं होता.

किसी को भी खाली हाथ न लौटाएं : इस माह में किसी को भी खाली हाथ न लौटाएं. किसी का पैसा हड़पें. धोखेबाजी न करें. इससे आपको बड़ा नुकसान हो सकता है.

व्रत और उद्यापन - पुरुषोत्तम मास में न तो व्रत करें और ना ही उसका उद्यापन करें. इस दौरान किसी नए व्रत का संकल्प न लें.

अपरा एकादशी पर विष्णु जी को लगाएं ये खास भोग, विवाह-संतान से जुड़ी परेशानियां होंगी दूर

ज्येष्ठ माह के कृष्ण पक्ष की एकादशी तिथि पर अपरा एकादशी मनाई जाती है। इसे अचला एकादशी भी कहते हैं। इस वर्ष 13 मई 2026, बुधवार को यह उपवास रखा जाएगा। कहा जाता है कि, इस दिन भगवान विष्णु की विधि-विधान से पूजा करने और उन्हें प्रिय चीजों का भोग लगाने से वे शीघ्र प्रसन्न होते हैं। माना जाता है कि, उनकी कृपा से जीवन के दुख-दर्द दूर होते हैं और सुख-समृद्धि का आशीर्वाद प्राप्त होता है। साथ ही विवाह मार्ग में आ रही रुकावटें भी धीरे-धीरे दूर होने लगती हैं। ऐसे में आइए जानते हैं कि, अपरा एकादशी के दिन भगवान विष्णु को किन चीजों का भोग लगाना बेहद शुभ माना गया है।

पंचामृत का भोग

अपरा एकादशी के दिन भगवान विष्णु को पंचामृत अर्पित करें। यह करना अत्यंत शुभ माना जाता है। दूध, दही, घी, शहद और शक्कर से बना पंचामृत सकारात्मक ऊर्जा का प्रतीक माना जाता है। इससे भगवान जल्दी प्रसन्न होते हैं और घर में सुख-शांति बनी रहती है।

गुड़ का भोग

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, भगवान विष्णु को गुड़ अर्पित करना भी बेहद फलदायी माना गया है। कहते हैं कि इससे जीवन में मिठास आती है और आत्मविश्वास मजबूत होता है। साथ ही आर्थिक परेशानियों से राहत मिलती हैं।

मेवे और मखाने

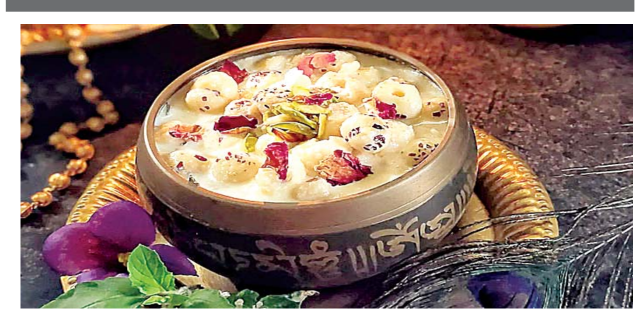

शास्त्रों की मानें, तो अपरा एकादशी पर मेवे और मखाने का भोग लगाना लाभकारी होता है। यह शुभता और समृद्धि का प्रतीक माना जाता है। ऐसा करने से घर में धन-धान्य बढ़ता है।

केसरिया भात

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, भगवान विष्णु को केसरिया भात अर्पित करना बेहद शुभ होता है। इससे सौभाग्य में वृद्धि होती है और व्यक्ति के जीवन में सकारात्मक बदलाव आने लगते हैं। इसके अलावा विवाह योग भी बनते हैं।

क्या आप जानते हैं, किसने शुरू की थी कांवड़ यात्रा की परंपरा और कहां चढ़ा था पहला जल?

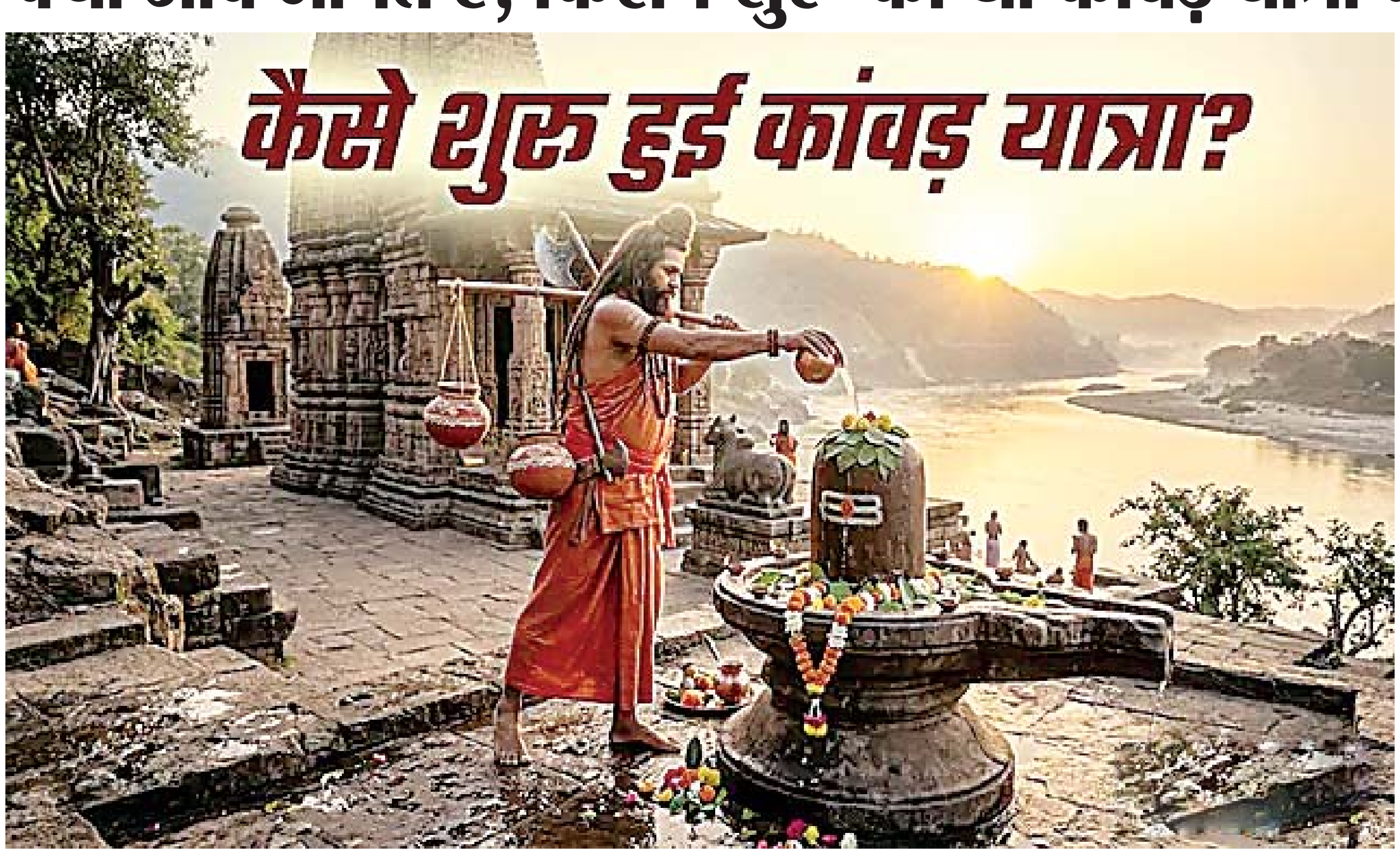

हिंदू कैलेंडर के अनुसार, सावन साल का पांचवा और सबसे पवित्र महीना माना जाता है। इस वर्ष सावन की शुरुआत 30 जुलाई से हो रही है।

शिव भक्तों के लिए यह समय आस्था और कठिन तपस्या का होता है, जिसका मुख्य आकर्षण कांवड़ यात्रा है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि दुनिया के सबसे पहले कांवड़िए कौन थे और उन्होंने किस मंदिर में अभिषेक किया था? अगर नहीं, तो चलिए जानते हैं इस बारे में।

भगवान परशुराम से जुड़ी है यह कथा

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, भगवान विष्णु के छठे अवतार अर्थात परशुराम जी वह पहले व्यक्ति थे, जिन्होंने कांवड़ यात्रा की शुरुआत की थी। शास्त्रों में उल्लेख है कि उन्होंने ही सबसे पहले गंगाजल लाकर शिवलिंग का अभिषेक किया था, जिसके बाद से कांवड़ यात्रा की परंपरा शुरू हुई।

यहां चढ़ी थी पहली कांवड़

उत्तर प्रदेश के बागपत जिले में स्थित पुरा महादेव मंदिर का इतिहास बेहद प्राचीन और गौरवशाली है।

माना जाता है कि इस मंदिर की स्थापना स्वयं भगवान परशुराम ने हिंडन नदी के तट पर की थी और कांवड़ में गढ़मुक्तेश्वर (वर्तमान नाम ब्रजघाट) से गंगाजल लाकर इस मंदिर के शिवलिंग पर अर्पित किया था।

आज भी सावन के पवित्र माह में लाखों श्रद्धालु हरिद्वार से पैदल जल लाकर यहां महादेव का अभिषेक करने आते हैं। माना जाता है कि कांवड़ में जल लाकर पुरा महादेव पर जल चढ़ाने से भक्त की सभी मनोकामनाएं पूरी होती हैं।

यह भी हैं मान्यताएं

कांवड़ यात्रा से जुड़ी अन्य मान्यताओं के अनुसार, श्रवण कुमार को भी पहला कावड़िया माना जाता है, जिन्होंने सर्वप्रथम त्रेतायुग में कावड़ यात्रा की थी। अपने माता-पिता को तीर्थ यात्रा कराने के क्रम में श्रवण कुमार ने उन्हें कावड़ में बैठा कर हरिद्वार लाए थे और उन्हें गंगा स्नान कराया। वापसी में वे अपने साथ गंगाजल भी ले गए। इसे भी कावड़ यात्रा की शुरुआत माना जाता है। वहीं प्रथम कांवड़ यात्रा की पौराणिक कथा रावण से भी जोड़ी जाती है। मान्यता है कि रावण ने समुद्र मंथन के दौरान निकले विष का प्रभाव कम करने के लिए कांवड़ में जल भरकर महादेव का अभिषेक किया था। कुछ मान्यताओं के अनुसार समुद्र मंथन से निकले हलाहल के प्रभावों को दूर करने के लिए देवताओं ने शिव पर पवित्र नदियों का शीतल जल चढ़ाया था।